



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी १५, १९७७ (पौष २५, १८९८)

No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 15, 1977 (PAUSA 25, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली ११००११, दिनांक १८ दिसम्बर १९७६

सं० ए० ३३०१२/१/७६-प्रशासन-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एस० के० मिश्र की सेवाएं १५-१२-१९७६ (अपराह्न) से लखनऊ में कार्यकारी प्रशिक्षण हेतु उत्तर प्रदेश सरकार को अस्थायी रूप से सौंपी जाती है।

प्र० ना० मुख्यमंत्री
अधिकारी सचिव

मंत्रिमण्डल सचिवालय
(कार्मिक तथा प्रशासनिक मुद्रार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक २३ दिसम्बर १९७६

सं० पी० एफ०/एन०-२/६९-प्रशा०-५—गष्टपति अपने प्रसाद से श्री एन० एस० मायुर, वरिष्ठ लोक अभियोजक, केन्द्रीय

1-416 जी शाई/76

(283)

अन्वेषण व्यूरो को दिनांक ४ दिसम्बर, १९७६ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से उप विधि मलाहकार के पद पर प्रोक्षण करते हैं।

उन्होंने दिनांक ३-१२-१९७६ के अपराह्न में वरिष्ठ लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, सामान्य अपराध संकंध, दिल्ली शाखा के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक २४ दिसम्बर १९७६

सं० पी० १९०३६/२१/७६-प्रशा० ५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महा निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एन्द० द्वारा दिल्ली पुलिस के अधिकारी श्री अनीम अहमद खान को दिनांक ७-१२-१९७६ के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उप अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० पी० एफ०/आर० ४/७०-प्रशा० ५—निवेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महा निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना,

एतद द्वारा श्री आर० के० बन्धा, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, मुख्यालय को दिनांक 8 दिसम्बर, 1976 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए तदर्थ आधार पर चरिष्ठ लोक अभियोजक के पद पर प्रोश्नत करते हैं।

सं० ए०-१९०३६/ /७६-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विणेष पुलिस स्थापना, एतद द्वारा, उड़ीसा राज्य पुलिस के अधिकारी श्री बी० एन० मिश्रा को दिनांक 8-12-76 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विणेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उप अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

पी० एस० निगम,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

गृह मंदिरालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 दिसम्बर 1976

सं० ओ० II-476/69 स्थापना—श्री ए८० डी० बनजान, मध्य प्रदेश राज्य के पुलिस अधिकारी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के कमांडेन्ट के पद पर प्रति नियुक्ति पर थे, दिनांक 30 सितम्बर, 1976 के अपराह्न से सरकारी सेवा से नियृत हो गये।

सं० ओ०-II-1021/75-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी मुरेन्द्रा कुमार साहू 38 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का त्याग पद्ध दिनांक 1-11-1976 अपराह्न से स्वीकृत कर दिया।

दिनांक 24 दिसम्बर 1976

सं० ओ० II-267/69-स्थापना—श्री के० एस० बरार के पुनर्नियुक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होंने उप पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/कास्टर मास्टर), 18 वाहिनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के पद का कार्यभार दिनांक 16 सितम्बर, 1975 अपराह्न को त्याग दिया।

ए० के० बन्दोपाध्याय,
सहायक निदेशक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

कार्यालय महालेखाकार, बिहार

रांची, दिनांक 20 नवम्बर 1976

सं० स्था० I-ओ०/डी०-४२२८—महालेखाकार बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री बिहार रंजन राय को अपने कार्यालय में ही दिनांक 29-10-1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोश्नत करते हैं।

दिनांक 22 नवम्बर, 1977

सं० स्था० I-ओ०/डी०-४२७९—महा लेखाकार बिहार रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री लाला राय सरथरंजन बिलास सिंहा श्रीवास्तव को अपने कार्यालय में ही दिनांक 21-10-1976 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोश्नत करते हैं।

सं० स्था० I-ओ० ई०-४२८२—महालेखाकार बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री सुशील कुमार भुखर्जी को अपने कार्यालय में ही दिनांक 27-10-1976 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोश्नत करते हैं।

सं० स्था० I-ओ० डी०-४७१६—महालेखाकार बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री क्षिति रंजन गुप्ता को अपने कार्यालय में ही दिनांक 27-10-1976 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोश्नत करते हैं।

दिनांक 24 नवम्बर 1976

सं० स्था० I-ओ० डी०-४३०८—महा लेखाकार बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री प्रशांत कुमार घोष को अपने कार्यालय में ही दिनांक 25-10-76 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोश्नत करते हैं।

सं० स्था० I-ओ० डी०-४३११—महालेखाकार बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री शैलेश चन्द्र भट्टाचार्य को अपने कार्यालय में ही दिनांक 12-10-1976 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोश्नत करते हैं।

सं० स्था० -ओ०/डी०-४३१४—महालेखाकार, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री निर्मल चन्द्र दास को अपने कार्यालय में ही दिनांक 25-10-1976 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोश्नत करते हैं।

सं० स्था० I-ओ० डी०-४३१७—महालेखाकार बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री सलिल कुमार भट्टाचार्य को अपने कार्यालय में ही दिनांक 26-10-1976 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोश्नत करते हैं।

बी० पी० सिन्हा,
वरीय उप महालेखाकार

कार्यालय महालेखाकार, जम्मू व काश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 23 दिसम्बर 1976

सं० प्रश्ना० I/16(85)/76-77/4672-73—महालेखाकार
जम्मू व काश्मीर ने आगामी आदेश तक के लिए इस कार्यालयके अधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री सोहन लाल धारी (जम्मू
(जन्म दिवस 6-3-1931) को 16 दिसम्बर, 1976 के पूर्वाह्न
से लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है

आर० पी० पाल

वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1976

सं० 23012(1)/76-प्रश्ना० ए० —रक्षा लेखा महा नियन्त्रक निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को मूल पद धारी
लेखा अधिकारियों के रूप में, प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्न से एतद् द्वारा नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	संगठन, जिसमें सेवारत है	प्रभागी तारीख
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	लाभ सिंह ओबेराय	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।	1-5-1975
2.	एस० के० सचदेव	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।	1-5-1975
3.	बी० पी० गुप्ता	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।	8-11-1975
4.	बी० डी० कुलकर्णी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना।	1-5-1975
5.	एम० एस० सेठी	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ।	1-5-1975
6.	गंगा प्रसाद रैना	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।	1-5-1975
7.	बी० बी० जार्ज	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून।	1-5-1975
8.	सी० एस० वासुदेव मूर्ति	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना।	1-5-1975
9.	पी० एन० नरसिंहन्	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना।	1-5-1975
10.	एस० कल्याण कुण्डन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद।	1-5-1975
11.	सरदारी लाल सेठी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ।	1-5-1975
12.	सी० डी० मथार्ड	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (पेंशन) इलाहाबाद।	1-5-1975
13.	के० पी० विश्वनाथन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (नी सेना) बम्बई।	1-5-1975
14.	मनोहर लाल तुआ	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।	1-5-1975
15.	राम प्रकाश बेरी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।	1-5-1975
16.	बी० जी० छटर्जी	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद।	1-5-1975
17.	के० तिलवेंगडाथन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (नी सेना) बम्बई।	1-5-1975
18.	पी० एन० दातिर	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना।	1-5-1975
19.	के० नागराजन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना।	1-5-1975
20.	आर० एन० मल्होत्रा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।	1-5-1975
21.	डी० आर० रामदासी	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना।	1-5-1975
22.	आर० एम० मल्होत्रा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ।	1-5-1975
23.	सोहरी लाल	रक्षा लेखा नियन्त्रक, उत्तरी कमान, जम्मू।	1-5-1975
24.	पी० बी० भट्टाचार्जी	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।	1-5-1975
25.	एन० गोपालस्वामी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।	1-5-1975
26.	बीरु राम काकड़ा	रक्षा लेखा संयुक्त नियन्त्रक (निधि) मेरठ।	1-5-1975
27.	एम० जी० कृष्ण मूर्ति	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद	1-5-1975
28.	एम० जी० कमलापुरकर	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना।	1-5-1975
29.	आर० एस० बेंकटारामन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास।	1-5-1975
30.	कुमुम कुमार जैटली	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद।	1-5-1975

1	2	3	4
सर्वश्री			
31.	एम० के० ड्वीर	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	1-5-1975
32.	बी० सुब्बाराव	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद ।	1-5-1975
33.	ओ० एस० दोगाइराजन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	1-5-1975
34.	निर्मल सिंह	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, पूना ।	1-5-1975
35.	गुरबखश राय	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ ।	1-5-1975
36.	डी० एल० दसा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।	1-5-1975
37.	एस० के० बोम	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।	1-5-1975
38.	पी० एल० खत्री	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	1-5-1975
39.	बी० गोपालन	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।	1-5-1975
40.	के० बी० नायर	रक्षा लेखा नियन्त्रक (नी सेना) बम्बई ।	1-5-1975
41.	आर० के० रैना	रक्षा लेखा नियन्त्रक, उत्तरी कमान, जम्मू ।	11-5-1975
42.	बी० नारायण स्वामी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	1-5-1975
43.	बी० एल० धावन	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	1-5-1975
44.	बी० जी० मुजेकर	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।	1-5-1975
45.	जे० के० महमूद बुद्दे	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	1-5-1975
46.	किशोरी लाल जैन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।	1-5-1975
47.	पी० रमणी	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास ।	1-5-1975
48.	सोहन लाल धावन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ ।	1-5-1975
49.	डब्ल्य० डी० नांगिया	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	1-5-1975
50.	एम० आर० गांगुली	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	30-5-1975
51.	राम शशण दाम भाटिया	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ ।	1-5-1975
52.	डी० बी० राम शास्त्री	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद ।	4-5-1975
53.	गुरचरन सिंह	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ ।	1-5-1975
54.	ए० एस० मुद्दी बिहाल	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	1-5-1975
55.	डी० गोपाल कृष्णन	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	21-6-1975
56.	बी० एस० प्रकाश राव	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ ।	22-5-1975
57.	डी० बी० बहल	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद	21-5-1975
58.	एस० सी० भट्टाचार्जी	रक्षा लेखा नियन्त्रक पटना ।	21-5-1975
59.	बी० नारायण राव	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	5-6-1975
60.	एम० आर० धावन	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ ।	21-5-1975
61.	के० पी० भास्करन नायर	रक्षा लेखा नियन्त्रक (नी सेना) बम्बई ।	22-5-1975
62.	पी० बी० बाल	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	21-5-1975
63.	टी० एस० सुभ्रह्मण्यम्	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास ।	25-6-1975
64.	बी० के० चक्रवर्ती	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।	21-5-1975
65.	पी० बी० डांगे	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	15-6-1975
66.	बी० आर० वासुदेव	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून ।	15-6-1975
67.	ए० बी० रेश्वर राव	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद ।	15-6-1975
68.	एम० जी० राम वर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (नी सेना) बम्बई ।	15-6-1975
69.	शादी लाल वर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, उत्तरी कमान, जम्मू ।	15-6-1975
70.	टी० आर० गणेशन	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ ।	6-7-1975

1	2	3	4
सर्वश्री			
71.	बी० सी० बोस	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।	15-6-1975
72.	आर० के० देव	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।	15-6-1975
73.	अनूप भिह भसीन	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ।	15-6-1975
74.	एच० के० बनर्जी	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	13-9-1975
75.	ओ० डिमैलो	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ।	9-7-1975
76.	एन० के० फणसे	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।	9-7-1975
77.	ग्रीष्मलक राज	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ।	9-7-1975
78.	एम० सी० लुकोस	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास।	23-7-1975
79.	पी० जी० देशमुख	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।	16-8-1975
80.	आर० के० रामनाथन	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।	16-8-1975
81.	एस० बी० दाते	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास।	16-8-1975
82.	एन० बी० चौधरी	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून।	16-8-1975
83.	के० शिवदास मेनन	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।	16-8-1975
84.	एस० एन० डंडोना	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।	22-8-1975
85.	एन० कृष्णन मूर्ति	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास।	16-8-1975
86.	एम० सी० दत्ता	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।	16-8-1975
87.	जे० रामानंद	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना।	16-8-1975
88.	एम० श्रीनाम शास्त्री	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद।	16-8-1975
89.	बाबा बीर सिंह	रक्षा लेखा नियन्त्रक संयुक्त (निधि) मेरठ।	16-8-1975
90.	एस० राम राव	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।	18-8-1975
91.	घन्दी राम जिन्दल	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ।	16-8-1975
92.	जी० पी० चौधरी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।	16-8-1975
93.	बी० श्रीनिवासन	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना।	10-9-1975
94.	पी० बी० बी० एस० रत्न राव	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना।	10-9-1975
95.	आर० राज गोपालन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास।	10-9-1975
96.	एच० के० लाल	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद।	10-9-1975
97.	के० बैकटारामन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ।	10-9-1975
98.	बी० सुब्रह्मण्यन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास।	10-9-1975
99.	वाई० डब्ल्यू० सूदन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद।	10-9-1975
100.	एन० दत्ता मजुमदार	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	10-9-1975
101.	ए० के० दास	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।	10-9-1975
102.	एम० एल० देव	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।	10-9-1975
103.	रामनाथ	रक्षा लेखा संयुक्त नियन्त्रक (निधि) मेरठ।	5-11-1975
104.	टी० एस० स्वामीनाथन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद।	9-11-1975
105.	ए० जयरामन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।	15-11-1975
106.	आर० बैद्यनाथन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद।	12-11-1975
107.	बी० एस० कोहली	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून।	13-11-1975
108.	बी० कृष्णमाचारी	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।	6-12-1975
109.	हरीकृष्ण गुप्ता	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद।	5-11-1975
110.	के० एस० अरुणाचलम	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) बम्बई।	12-11-1975

दिनांक 22 दिसम्बर, 1976

सं०-40011(2)/76-प्रशा० ए० (1) वार्धक्य निवर्तन की आधु प्राप्त कर लेन पर निम्नलिखित सेवा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा/गया।

क्रम सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	बी० राघवन (पी०/85)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
2.	जगदीश चन्द्र दत्ता (पी०/189)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून।
3.	जी० सी० माभनी (पी०/216)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।
4.	एन० आर० मुखर्जी (पी०/419)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
5.	रतिराम गुप्ता (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-6-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायुसेना) देहरादून।
6.	आई० एल० भेहना (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-77	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद।
7.	हरिचन्द्र मतीजा (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायुसेना) देहरादून।
8.	विलोकी नाथ सरीन (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) उत्तर, भेरठ।

(2) सिविल सेवा विनियमावली जिल्द-I के अनुच्छेद (झ) के प्रावधानों के अन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति का नोटिस देने पर, रक्षा लेखा नियंत्रक, (पश्चिमी कमान) भेरठ के संगठन में सेवारात श्री राजपाल कक्कड़, स्थायी लेखा अधिकारी (पी०/161) को 1 जनवरी 1977 पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा।

श्री आर० पी० कक्कड़ को सेवा निवृत्ति पूर्व 1-10-76 से 31-12-76 तक 92 दिन की छूटटी मंजूर की गयी है।

(3) निम्नलिखित को, इस विभाग की अधिसूचना सं०- 40011 (2) /76- प्रशा० ए० दिनांक 22-11-76 के पैरा (4) के रूप में जोड़ा जाता है।

“श्री लाभसिंह ओबेराय, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 2-12-76 से 31-3-77 तक 120 दिन की अर्जित छूटटी मंजूर की गयी है।”

एस० बी० सुभाषमण्णन
रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेस फैक्टरियां सेवा
महानिदेशालय, आईनेस फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 22 दिसम्बर 1976

सं० ९७/७६/जी०—वार्षिक निवृत्ति आयु प्राप्तकर,
श्री बी० के० सेन, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी
फोरमैन) दिनांक 31 अक्टूबर, 1976 (प्रपराह) से सेवा
निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय
सहायक महानिदेशक
आईनेस फैक्टरियां

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

पूर्ति विभाग

(प्रशासन शाखा-६)

नई दिल्ली, दिनांक 21 दिसम्बर 1976

सं० प्र०-६/२४७ (१९३)/५९-II—पूर्ति तथा निपटान
महानिदेशालय, नई दिल्ली के आधीन बम्बई निरीक्षण मंडल
में स्थायी भंडार परीक्षक (इन्जी०) तथा स्थानापन्न निरीक्षण
अधिकारी (इन्जी०) श्री एन० के० मंगी दिनांक 31-१०-७६
(प्रपराह) से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से
निवृत्त हो गये।

सं० प्र०-६/२४७ (३२०)/१—श्री एस० श्री० अम्बाये,
स्थायी भंडार परीक्षक (इन्जी०) और पूर्ति तथा निपटान
महानिदेशालय के आधीन बम्बई निरीक्षण मंडल में स्थानापन्न
सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) दिनांक 31-१०-७६
(प्रपराह) से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से
निवृत्त हो गये।

दिनांक 22 दिसम्बर 1976

सं० प्र० ६/२४७/३३६/६१—राष्ट्रपति सहायक निरीक्षण
अधिकारी श्री ए० के० घोष को दिनांक 29-१-७६ के
पूर्वाल्प से आगामी आवेशों के जारी होने तक भारतीय
निरीक्षण सेवा ध्रेणी-I के ग्रेड-III की इन्जीनियरिंग शाखा
में निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) के पद पर तदर्थ आधार
पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री घोष दिनांक 18-१०-७६ से कलकत्ता में अवकाश
पर गये थे और दिनांक 29-११-७६ के पूर्वाल्प से निरीक्षण
निदेशक मद्रास के कार्यालय में उन्होंने निरीक्षण अधिकारी
(इन्जी०) का पदभार सम्भाल लिया है।

सूर्यप्रकाश
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

पूर्ति तथा निपटान निदेशालय

कलकत्ता-६९, दिनांक 23 दिसम्बर 1976

सूचना सं० डी० १/सीओएन/डीई दिनांक 22-१२-१९७६

सं० कल०/डी०-१/पी० ओ०/१३४—चूंकि पूर्ति तथा
निपटान निदेशालय, कलकत्ता के उप निदेशक (निलंबित)
श्री एन० के० मलहोत्रा के विरुद्ध केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गी-
करण, नियंत्रण तथा अपील) 1965 के नियमों के अधीन
नियम 14 के अनुसार जांच की जा रही है और चूंकि
जांच अफसर के रूप में नियुक्त श्री एस० सी० कपूर,
निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता को उक्त श्री मलहोत्रा के विरुद्ध
लाये गये अभियोगों की जांच करती है, विभागीय जांच को
अगली तारीख 8-२-१९७७ को 11 बजे निर्धारित की गई
है। श्री मलहोत्रा के लिए उक्त तारीख को सुनवाई के समय
निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में अपने रक्षा-
सहायक, यदि कोई हो, के साथ उपस्थित रहना आवश्यक
है। यदि श्री मलहोत्रा उपस्थित न रहे तो इकतरफा कार्रवाई
की जाएगी।

एस० के० डै० मरकार

सहायक निदेशक (प्रशासन)

कृते निदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता, दिनांक 21 दिसम्बर 1976

सं० ३७८५/बी०/१३/७४/१९ सी०—निम्नलिखित अधिकारियों की भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में उनके सामने
दर्शायी गई तिथि से शिफ्ट बास की श्रेणी में पुष्टि की
जा रही है:—

सीधी भर्ती पाये हुए

क्र सं०	अधिकारियों के नाम	पुष्टिकरण की तिथि
1.	श्री बी० के० साहू	4-६-७३
2.	श्री मू० मुराजि हसन	22-४-७४
3.	श्री पी० के० हैंजल	16-६-७४
4.	श्री के० रामकृष्ण	21-२-७५
5.	श्री जी० एस० पोद्दार	21-२-७५
विभागीय पदोन्नति पाए हुए		
1.	श्री जगदीण मिह	4-६-७३
2.	श्री ए० श्रीनिवासम	22-४-७४
3.	श्री के० सी० सोगानी	16-६-७४
4.	श्री डी० के० जै	21-२-७५
5.	श्री एच० बी० सी० सेट्टी	21-२-७५

दिनांक 22 दिसम्बर 1976

सं० 4012/बी०/40/59/सी०/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री एन० आर० मुखर्जी औं उसी विभाग में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर, आगामी आदेश होने तक, श्री एम० एम० दास, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, उत्तर पूर्वी क्षेत्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के छुट्टी पर होने के कारण, उनके स्थान पर 3-11-1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 4028/बी०/30/75/19-सी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) श्री एस० के० भान को सहायक भूवैज्ञानिक की श्रेणी में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 11 अप्रैल, 1969 के पूर्वाह्न से स्थायित्व घोषित किया जा रहा है।

सं० 4035/बी०/40/59/सी०/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री बी० के० चटर्जी को उसी विभाग में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर, आगामी आदेश होने तक, श्री बी० बी० चहन्दे, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय क्षत्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के छुट्टी पर होने के कारण, उनके स्थान पर 5-11-1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

बी० के० एस० वरदन
महा निदेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 दिसम्बर 1976

सं० एफ० 20 (बी०-3) 20/62-प्र०-I—श्री एस० सी० बोम की विदेश मंत्रालय में 11 अक्टूबर 1976 से मूल रूप से अभिलेखाधिकारी के पद पर की गई नियुक्ति के परिणामस्वरूप निदेशक, राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत सरकार उसी तारीख से राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली के अभिलेखाधिकारी (मामान्य) के पद से उनका लियन समाप्त करते हैं।

एस० एन० प्रसाद
निदेशक, राष्ट्रीय अभिलेखागार

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 28 दिसम्बर 1976

फा० सं० 92-120/76-स्थापना/23758—डा० एस० एस० प्रधान को भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, कलकत्ता के अन्तर्गत सहायक-प्राणिवैज्ञानिक (ग्रुप 'बी') के पद पर अस्थायी आधार पर 10-12-76 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया है।

डा० स० खेरा
संयुक्त निवेशक-प्रभारी
भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
(फिल्म प्रभाग)

बम्बई नं० 26, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

सं० 31014/6/75-सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने, श्री एच० जी० भांडारकर, स्थायी टेक्नीकल असिस्टेंट और स्थानापन्थ भांडार अधिकारी को दिनांक 1-12-1976 से स्थायी भांडार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 22 दिसम्बर 1976

सं० 3/2/62-सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने, श्री जे० एन० देसाई, स्थायी कैमरामैन, फिल्म प्रभाग बम्बई को दिनांक 24-11-1976 के पूर्वाह्न से स्थानापन्थ कैमरामैन कार्टून फिल्म युनिट के पद पर नियुक्त किया है।

सं० 9/112/49-सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री एन० पी० सिताराम स्थानापन्थ रेकार्डिस्ट को विवाक 11-11-1976 के पूर्वाह्न से मुख्य रेकार्डिस्ट के पद पर फिल्म डिवीजन दिल्ली ऑफिस में नियुक्त किया है।

एम० चन्द्रन नायर
प्रशासकीय अधिकारी
हते प्रमुख निर्माता

बम्बई नं० 26, दिनांक 27 दिसम्बर 1976

सं० 31014/4/75-सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री एस० पी० चन्द्रमोहन, स्थायित्व उत्पादन-मैनेजर को स्थायी उत्पादन मैनेजर के पद पर दिनांक 9-1-1971 से नियुक्त किया है।

एम० के० जैन
प्रशासकीय अधिकारी
हते प्रमुख निर्माता

विज्ञापन और दृष्टि प्रचार निदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

सं० 2/50/56-स्थापना-I—अधिवर्षता की आयु प्राप्त कर सेने पर श्री गम्भीर मिह, इस निदेशालय में स्थायी सहायक और स्थानापन्न पर्यवेक्षक, 30 नवम्बर, 1976 (अप्राकृत) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

आर० देवामर
उप निदेशक (प्रशासन)
हाउस विज्ञापन और दृष्टि प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1976

सं० ए० 12023/8/76-(के० स्वा० से०) प्रशासन-1—
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने 9 नवम्बर 1976 पूर्वाक्ति से आगामी आदेशों तक श्री के० एल० मलहोत्रा की केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यारो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (क्षेत्रीय अध्ययन और प्रदर्शन केंद्र) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 29 दिसम्बर 1976

सं० 26-11/70-प्रशासन-1—भारत सरकार बड़े दुख के साथ यह घोषणा करती है कि राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, नई दिल्ली के सहायक निदेशक श्री एस० के० शोम का 26 नवम्बर, 1976 अप्राकृत को देहान्त हो गया।

सं० ए० 31014/13/76 (के० स्वा० शि० व्यूरो) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने 7 अक्टूबर, 1975 से श्रीमती एम० के० कर्करा को केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (उपचर्चा) के स्थायी पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला
उपनिदेशक प्रशासन

वन माधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण
देहरादून, दिनांक 27 दिसम्बर 1976

सं० 4-7/76-प्रशासन—श्री डॉ ए० पी० मोहनद्वा को, जो कि सेन्य लेखा महानियंत्रक के केडर में रक्षा लेखा सेवा के स्थायी लेखा अधिकारी है, 10 दिसम्बर, 1976 की पूर्वाक्ति से वन माधनों के निवेश पूर्व सर्वेक्षण, देहरादून में आगामी आदेश तक प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

रोमेश चंद्रा
मुख्य संयोजक

दिल्ली दुर्घट योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 27 दिसम्बर 1976

सं० 3-98/76-स्थापना (विशेष)—श्री जे० सी० कोहली, सहायक दुर्घट वितरण अधिकारी को दिनांक 1-12-76 (पूर्वाक्ति) से छः महीने तक की अवधि के लिए दिल्ली दुर्घट योजना में नितान्त तदर्थ और अस्थायी आधार पर स्थानापन्न दुर्घट वितरण अधिकारी (पुप 'बी'-राजपत्रित) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

गोरख राम
अध्यक्ष

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

वस्वई-85, दिनांक 31 अक्टूबर 1976

सं० पी० ए०/62 (17)/73-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहां के एक स्थायी प्रमुख फायरमैन और स्थानापन्न उपाधिकारी श्री पांडुरंग मारोतराव सवाय को 18 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाक्ति से तदर्थ आधार पर दो महीने अथवा आगामी आदेशों तक के लिए, जो भी पहले हो, स्थानापन्न स्टेशन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उमीदवाला

उप स्थापना अधिकारी (भ०)

अन्तरिक्ष विभाग

(मिलिल इंजीनियरी प्रभाग)

बंगलौर, दिनांक 6 दिसम्बर 1976

सं० 10/5 (28)/76-सि० ई० प्र० (एच०)—अन्तरिक्ष विभाग, मिलिल इंजीनियरी प्रभाग, बंगलौर के मुख्य अभियन्ता अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में निम्नलिखित अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर इंजीनियर 'एस० बी०' के पद पर इसी प्रभाग में उनके नामों के मामने दी गई तारीखों से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	संभाला हुआ वर्तमान पद	इंजीनियर एस० बी० के पद पर नियुक्ति की तारीख
----------	-----	-----------------------	---

1.	श्री एच० राजामिहा	पर्यवेक्षक (तकनीकी स्थायी सी०)	1-7-1976
2.	श्री एम० माईप्रसाद	—यथोपरि—	1-7-1976
3.	श्री आर० मी० बालामुख्यमिन्यम राजू	—यथोपरि—	1-7-1976
4.	श्री पी० राजा रेडी	—यथोपरि—	1-7-1976

पी० आई० यू० नम्बियार
प्रशासन अधिकारी-II
हृत मुख्य अभियन्ता

विक्रम सागरभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

विवेन्द्रम-695022, दिल्ली 22 दिसम्बर 1976

सं० वि० सा० श्र० के०/स्थापना/01.37—विक्रम सागरभाई अन्तरिक्ष केन्द्र के नियन्त्रक, अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम सागरभाई अन्तरिक्ष केन्द्र में श्री एम० एम० अनन्त राम को विक्रम सागरभाई अन्तरिक्ष केन्द्र के केन्द्रीय विद्यालय में उप प्रधानाचार्य के पद पर पूर्णतया अस्थायी और अनंतिम आधार पर ₹० 650-30-740-35-810-द० रु०-35-880-40-1000-द० रु०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 10 दिसम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

गजन वी० जार्ज
प्रणालन अधिकारी-II (स्थापना)
कृते नियन्त्रक

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग
नई दिल्ली-3, दिनांक 24 दिसम्बर 1976

सं० ई० (1) 04383—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री पी० सी० मुकर्जी को 16-11-76 के पूर्वाह्न से 14-1-77 तक 60 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री मुकर्जी, स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 06754—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास कार्यालय के अन्तर्गत सी० डब्ल्यू० सी० विशाखापट्टनम में व्यावसायिक सहायक श्री एन० रंगचारी को 2-12-76 के पूर्वाह्न से 30-1-77 तक 60 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री रंगचारी, स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास कार्यालय के अन्तर्गत सी० डब्ल्यू० सी० विशाखापट्टनम में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 07267—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के कार्यालय के अन्तर्गत

मौसम केन्द्र, हैदराबाद में व्यावसायिक सहायक श्री शेख नसीरुद्दीन को 30-11-76 के पूर्वाह्न से 31-12-76 तक 32 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री नसीरुद्दीन, स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के अधीन मौसम केन्द्र, हैदराबाद के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन
मौसम विज्ञानी
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1976

सं० ए०-32013/11/76-ई० सी०—गढ़पति ने निम्न-लिखित संचार अधिकारियों को उनके सामने दिखाई दैनाती तारीख से तथा अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर वरिष्ठ संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

क्रम संख्या	नाम	वर्तमान स्थेशन	जिस स्टेशन	कार्यभार
		तैनाती	पर स्थाना- स्टेशन	ग्रहण की तरित किया तारीख है।

1. श्री एम० सी० जैन	क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली	डीजीसीए	29-10-76 (पूर्वाह्न)
2. श्री एस० आर० गधवेन्द्र राव	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।	2-11-76 (पूर्वाह्न)
3. श्री पी० के० मिधन	वैमानिक संचार स्टेशन, आगरतला	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग नई दिल्ली।	20-11-76 (पूर्वाह्न)

दिनांक 16 दिसम्बर 1976

सं० ए०-32014/2/76 ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को उनके द्वारा पदभार ग्रहण करने की तारीख से एक वर्ष के लिए अथवा इन पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इन में से जो भी पहले हो, बिल्कुल तदर्थं आधार पर

सहायक विमानसेवा अधिकारी के घोड़ में पदोन्नति किया है :—

क्र० सं०	नाम	पदोन्नति की तारीख	स्टेशन
1.	श्री एच० डी० घोपाल	22-11-76	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र इलाहाबाद
2.	श्री वी० एस० आर० राव	3-12-76	"
3.	श्री पी० राघवन	22-11-76	"
4.	श्री एल० सी० चांदवानी	4-12-76	"
5.	श्री पी० के० डे	23-11-76	"
6.	श्री के० आर० पांडुले	2-12-76	"
7.	श्री एम० आर० नाथडू	23-11-76	"
8.	श्री हंस राज	22-11-76	"
9.	श्री एम० के० राय चौधरी	22-11-76	"
10.	श्री जे० एन० मोसेज	22-11-76	मद्रास।
11.	श्री ए० के० सरकार	22-11-76	ना० वि० प्र० केन्द्र, इलाहाबाद
12.	श्री जे० आर० मोनी	22-11-76	"
13.	श्री पी० एन० धर	22-11-76	"
14.	श्री एम० एस० शर्मा	22-11-76	"
15.	श्री आर० डी० बाजपेयी	22-11-76	"
16.	श्री के० बी० सचदेव	22-11-76	सफरजर्जग नई दिल्ली।
17.	श्री जे० एल० कपूर	22-11-76	ना० वि० प्र० केन्द्र, इलाहाबाद
18.	श्री एम० जी० थोरट	23-11-76	"
19.	श्री प्रेम कुमार	22-11-76	"

दिनांक 18 दिसम्बर 1976

सं० ए०-३२०१३/१३/७६-ई० ए०—श्री एस० एम० नागलिंगम, अग्निशमन अधिकारी 17-11-76 के अपराह्न से सहायक अग्निशमन अधिकारी के पद पर परावर्तित हो गए। सहायक अग्निशमन अधिकारी के रूप में उन्हें मद्रास एयर-पोर्ट, मद्रास में तैनात किया जाता है।

विश्व विनोद जौहरी
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

सं० ए०-३८०१२/१०/७६-ई० एस०—निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, दिल्ली के कार्यालय के श्री आर० पी० शर्मा, वरिष्ठ विमान निरीक्षक ने 30 नवम्बर, 1976 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सुरजीत लाल खंडपुर
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 23 दिसम्बर 1976

सं० १२/७/७५-स्था०—निम्नलिखित स्थानापन्न प्रशासन अधिकारियों और सहायक प्रशासन अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दिए गए पद पर और तारीख से स्थायी रूप से प्रशासन अधिकारी और सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त किया जाता है :—

क्रमांक	नाम	पद जिस पर पुष्टि की गई	स्थायी नियुक्ति की तारीख
(1)	श्री ह० ला० मलहोत्रा	प्रशासन अधिकारी	1-3-74
(2)	श्री एम० एस० कृष्णस्वामी	प्रशासन अधिकारी	1-3-75
(3)	श्री एम० वी० किंनि	सहायक प्रशासन अधिकारी	2-12-73
(4)	श्री एस० के० सेनगुप्त	सहायक प्रशासन अधिकारी	1-3-74
(5)	श्री एस० वेंकटेश्वरन	सहायक प्रशासन अधिकारी	2-3-74
(6)	श्री पी० सी० के० नायर	सहायक प्रशासन अधिकारी	1-3-75
(7)	श्री बी० वी० वेनेगल	सहायक प्रशासन अधिकारी	2-3-75

पु० ग० दामले
महानिदेशक

बन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 28 दिसम्बर 1976

सं० 15/109/76-स्था०-१—अध्यक्ष, बन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री एस० आर० माधवन् पिलै, अनुसन्धान सहायक, प्रथम वर्ग, को 14 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक तदर्थ स्प में अनुसन्धान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

पी० आर० के० भट्टाचार

कुलसचिव

बन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय

बड़ौदा, दिनांक 16 नवम्बर 1976

सं० 11-76—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बड़ौदा मण्डल-III के श्री एन० आर० जादव, स्थायी अधीक्षक, ग्रुप बी० केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दिनांक 30-11-76 की अपराह्न में निवर्तन पेशन पर निष्ठृत हो जायेगे।

एच० आर० सिएम

समाहर्ता

नागपुर, दिनांक 22 दिसम्बर 1976

सं० 36—चंदीगढ़ समाहर्ता थेव के श्री एच० एस० बार, सहायक समाहर्ता सीमाशुल्क, अमृतसर ने उनका स्थानांतर होने पर दिनांक 14-12-1976 के पूर्वाह्न में नागपुर समाहर्ता थेव में सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग भोपाल का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 37—इस समाहर्ता थेव के श्री के० एस० पुराणिक अधीक्षक, ग्रुप 'बी' केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने 31-3-1977 (अपराह्न) से स्वैच्छिक सेवा मुक्ति के लिए नोटिस प्रस्तुत करने पर समाहर्ता महोदय आदेश देते हैं कि, श्री के० एस० पुराणिक अधीक्षक ग्रुप 'बी' के० उ० शु० दिनांक 31-3-1977 के अपराह्न से सेवा मुक्त कर दिए जायेंगे।

सं० 38—हैदराबाद समाहर्ता थेव के मुख्य लेखा अधिकारी श्री आर० एस० शाड ने, उनका स्थानांतर होने पर इस समाहर्ता-थेव में दिनांक 25-10-1976 के पूर्वाह्न से मुख्य लेखा अधिकारी (रिसिट्स तथा रिफंड्स) का कार्यभार संभाल लिया।

मन जीत सिंह बिन्द्रा
समाहर्ता

केन्द्रीय राजस्व नियन्त्रण प्रयोगशाला

नई दिल्ली-110012, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

सं० 4/1976—स्थानान्वित होने पर श्री एम० एम० श्रीवास्तवा, महायक रमायन परीक्षक, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क प्रयोगशाला, फिगबोर्ड (असाम) ने दिनांक 30-8-76 (पू०)

से सीमाशुल्क गृहप्रयोगशाला कलकत्ता में उसी क्षमता से कार्यभार संभाल लिया है।

वे० सा० रामनाथन

मुख्य रसायनश
केन्द्रीय राजस्व

नौवहन और परिवहन मन्त्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 28 दिसम्बर, 1976

सं० 30-ए० छी० एम० एन० (2)/58-III—नौवहन महानिदेशक एतव्वाग, नौवहन महानिदेशालय के अस्थाई कार्यकारी अधिकारी/फैट इन्विसिटिंग अधिकारी श्रीमती छी० एम० सालवी को तारीख 1 मई, 1975 से मूल रूप से कार्यकारी अधिकारी/फैट इन्विसिटिंग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० एम० ओचाणी
नौवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

सं० क-19012/192/76 प्रणा० 5—सेवा निवर्तन की वयस्कता प्राप्त करने के परिणामस्वरूप, श्री के० एस० आवला प्रभावी दिनांक 30-11-1976 के अपराह्न से अतिरिक्त सहायक निदेशक, केन्द्रीय जल आयोग के कार्यभार से मुक्त हो गए तथा इसी दिनांक एवं अवधि से वे सरकारी सेवा से निष्ठृत हो गए।

जमवंत सिंह
अवर सचिव
हुसे अध्यक्ष
केन्द्रीय जल आयोग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1976

सं० 33/12/73-ई० सी०-१—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री राजेन्द्र सिंह कौशल को, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 रुपये (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 1100/- रुपये प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तों पर 10-11-1976 (पूर्वाह्न) से वास्तुक के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप ए) नियुक्त करते हैं।

2. श्री कौशल 10-11-1976 पूर्वाह्न से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखे जाते हैं।

श्री कौशल, वरिष्ठ वास्तुक (आवास तथा नगर आयोजन) एका०-I, के० का०, के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली में तैनात किए जाते हैं।

नई-दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1976

सं० 27/38/76-ई० सी० IX—प्रमुख इंजीनियर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री एम० व्ही० कोरगावकर को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में सहायक वास्तुक (सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग-क) के अस्थायी पद पर नियुक्त करते हैं। उनका वेतन दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि के संतोषजनक ढंग से पूरा होने पर नियमानुसार नियत किया जाएगा। फिलहाल वे सामान्य शर्तों पर 11-10-76 (पूर्वाह्न) ₹० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 रुपए (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 650/- रुपये मासिक वेतन लेंगे।

2. श्री कोरगावकर 10-12-1976 एफ० एन० से दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रहेंगे।

एस० एस० पी० राव
प्रशासन उप-निदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1976

सं० 27 (ई)/एम (14)/69-ई० सी०-2—प्रमुख इंजीनियर कार्यालय, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली के कार्यपालक इंजीनियर (मतकंता) श्री जे० पी० मांगलिक वार्द्धक्य की आयु प्राप्त करने पर 30-11-76 (अपराह्न) को सरकारी सेवा में नियुक्त हो गए।

पी० एस० पारवानी
प्रशासन उप-निदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

रेल मन्त्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1976

सं० 75/डब्ल्य० 4/सी० एन० एन०/एम० ई०/24—
एतद्वारा सर्व साधारण के सूचनार्थ यह अधिसूचित किया जाता है कि रेल मन्त्रालय (रेलवे बोर्ड) ने जखापुरा और बांसपानी के बीच रेल सम्पर्क के प्रथम चरण के रूप में जखापुरा से देतरी तक एक नई बड़ी लाइन के निर्माण की स्वीकृति दे दी है। जखापुरा से दूसरी तक रेलवे लाइन की लम्बाई 33.5 कि० मी० होगी।

बी० मोहन्ती
सचिव

विधि, न्याय व कम्पनी कार्य मन्त्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेट्रो रीयल एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1976

सं० 1518/टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेट्रो रीयल एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधायित हो गई है।

ओम प्रकाश जैन
कम्पनी रजिस्ट्रार
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर मैसर्स राजश्री मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जयपुर दिनांक 23 दिसम्बर 1976

सं०/मास्टिकी/1151/14674—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर मैसर्स राजश्री मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शात नहीं किया गया, तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विधायित कर दी जाएगी।

रामदयाल कुरील
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीराजसम स्प्लाई प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

शिलांग, दिनांक 27 दिसम्बर 1976

सं० 683/560/3212—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आसाम स्प्लाई प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधायित हो गई है।

संपत्ति कुमार मण्डल
कम्पनी का रजिस्ट्रार
आसाम, मेघालय, मणिपुर, निपुर
नागलैण्ड, असमाचल प्रदेश और मिजोरम
शिलांग

कार्यालय आयकर आयुक्त
बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1976
आयकर स्थापना

सं० 322—नीचे लिखे अधिकारियों को इस आदेश द्वारा
28 सितम्बर, 1976 से लगाकर मौलिक रूप से आयकर अधि-
कारी, श्रेणी-2 के पदों पर नैनात किया जाता है।

1. श्री आर० के० गुप्ता
2. श्री वी० वी० कुलकर्णी
3. श्री ए० पी० शर्मा
4. श्री सी० एस० राव
5. श्री एन० जी० तेलंग
6. श्री के० के० शर्मा

7. श्री एस० वी० मंधानी
8. श्री वी० पी० भाटिया
9. श्री डी० एल० तेजवानी
10. श्री आर० जी० चिपलूणकर
11. श्री वी० एस० कप
12. श्री एम० टी० मखीजानी
13. श्री एच० आर० तौलानी
14. श्री पी० जी० पाटकर
15. श्रीमती वी० बालसुब्रमण्यन
16. वी० पी० रायचूर

वी० रामस्वामी अध्यर
आयकर आयुक्त
बम्बई नगर 1, बम्बई

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० अर्जन/239-ए०/सफीपुर/76-77/2716—
यतः मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुमूल्य के अनुसार है, तथा जो अनुमूल्य के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, सफीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-5-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वे दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राज नारायण वर्ण पं० राम किशोर मिश्र निवासी मुरादाबाद डा० गंज मुरादाबाद परगना बांधरमऊ तह० सफीपुर जि० उत्ताव । (अन्तर्क)

2. श्री मरोज कुमार (2) मनोज कुमार नावालिंग पुन्न श्री भगवत् स्वरूप उर्फ खुशी लाल नि० सुकमा पुर्या मजरा डा० मकबनपुर तह० व परगना बिल्हौर जिला कानपुर (1/2 भाग) (3) श्री गधे लाल (4) श्री विद्या मागर कटियार पुत्रगण श्री बिहारी लाल निवासी हसनपुर मजरा परगना बांधरमऊ तह० सफीपुर जि० उत्ताव (1/4 भाग) (5) श्री कमलेश चन्द (6) श्री दिनेश चन्द पुत्रगण श्री राम घन्द निवासी कपूरपुर परगना बांधरमऊ तह० सफीपुर जि० उत्ताव (1/8 भाग) (7) श्री अरुण कुमार पुन्न श्री सोने लाल निवासी भौजा मुरादाबाद परगना बांधरमऊ, तह० सफीपुर जि० उत्ताव (1/8 भाग) । (अन्तर्क्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हिस्सबद्ध वि सी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, वे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

534 535
अचल सम्पत्ति खेतिहार भूमि खमरा नं० 4/2 151/74

रकवा 19 बीघा 16 विस्वा बाके भौजा मुरादाबाद परगना बांधरमऊ तह० सफीपुर जि० उत्ताव, 40,600 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-12-1976

मोहर :

प्रूप श्राई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1976
निर्देश सं० FDK/100/76-77—यतः, मुझे, वी० आर०
सगर

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, तथा जो बल्लमगढ़ रोड, अबोहर
में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः—

1 श्रीमती गुलाब कौर गार्डन श्री गणेश मिह, एडब्ल्यूकेट
पुत्र श्री अर्जीन सिंह, मुक्तसर (अन्तरक)

2. श्री दर्शन मिह पुत्र श्री प्रकाश मिह श्रीमती सरोज रानी
पत्नी श्री किशन सिंह श्री दविदर कुमार पुत्र श्री मोहन लाल,
गुरुग्राम दाम पुत्र श्री लल्लमन दाम, श्रीमती ममिना देवी पत्नी
श्री सुरिदरपाल वासी, मुक्तसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है और किरायेदार यदि कोई
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 312 मई 1976
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मुक्तसर में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-12-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० ABR/101/76-77-यतः, मुझे, वी० आर०
सगर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० वी०-2-335 ऐ० है तथा जो गली नं० 11-12
अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन
तारीख मई 1976

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उबत अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उबत अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-416GI/76

1. श्रीं मोहरी राम पुत्र श्री सावन राम पुत्र श्री जमीयन राय
वासी गली नं० 12, अबोहर (अन्तरक)

2. खरेती लाल, रमेश कुमार, विजय कुमार और सतीश
कुमार पुत्र श्री राम दाम पुत्र श्री गोपाल दाम वासी प्रेम नगर,
अबोहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है किग्राम दार यदि कोई (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभेग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
व्यवित्यों में से किसी व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० वी० 2-335-ऐ गली नं० 11-12 अबोहर
जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 335 मई 1976 के रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी, अबोहर में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 20-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

निवेश सं० KPL/102/76-77—यतः मुझे वी०

आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9-बी० है तथा जो माडल टाऊन, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मर्हीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह 4-ए० माडल टाऊन, फगवाड़ा (अन्तरक)

2. श्री जोगा सिंह पुत्र श्री निर्मल सिंह 9-बी० माडल टाऊन, फगवाड़ा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है और किराएदार यदि कोई (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में एच रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 9-बी० माडल टाऊन, फगवाड़ा जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 230 मई 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है ।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० MGA/103/76-77—यतः, मुझे, वी० आर०

सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उत्तर अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो भोगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धर्म: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. गुरदियाल सिंह नगिंदर सिंह पुत्र श्री फत्ता सिंह पुत्र श्री सूध सिंह वासी पट्टी, हकीमकी पुराना मोगा (अन्तरक)

2. श्री शतीश चन्द्र पुत्र श्री लेख राज पुत्र श्री वेसी राम मार्फत मैसर्ज ठाकुर दास बंसी लाल कमीरान ऐजन्टस; दाना मंडी, मोगा

3. जैसा कि नं० 2 पर है किराएदार यदि कोई (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 462 मई 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भोगा में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-12-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० MGA/104/76-77—यतः, मुझे, वी० आर०
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु
से अधिक है।

श्री जिसकी सं० धरती है तथा जो मोगा में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976
को पूर्वोंवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जुगिन्द्र सिंह अजमेर सिंह सपुत्र स० फट्टा सिंह सपुत्र
श्री सुध सिंह भासी पती हकीमकी पुराना मोगा (अन्तरक)
2. श्री सतीश चन्द्र सपुत्र लेख गज सपुत्र बंसी राम मार्फत
ठाकुर दास बंसी लाल कमीशन एजेंट दाना मणी मोगा
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है तथा किराएदार यदि कोई हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्षत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्षत
व्यवित्रियों में से किसी व्यवित्रिया के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 462 मई 1976
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मोगा में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-12-1976

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुष्टत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० मोगा/105/76-77—यतः, मुझे, वी० आर०
सगर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० धरती है तथा जो मोगा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, गेसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जुगिन्द्र सिंह अजमेर सिंह सपुत्र स० फट्टा सिंह
सपुत्र श्री सुध सिंह वासी पती हकीमकी पुराना मोगा
(अन्तरक)

2. श्री सोमनाथ सपुत्र देस राज सपुत्र श्री बंसी राम
मार्फत ठाकुर दास बंसी लाल कमीशन एजेंट दाना मंडी, मोगा
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 458 मई
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मोगा में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-12-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसंबर 1976

निदेश सं० भट्टा०/114/76-77—यतः मुझे, वी० आर०
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव सूरगुड़ी में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जैतो में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम;
या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मुख्यायर कौर और श्रीमती नसीब कौर
पुत्रियां श्री वचन सिंह, गांव सुरघुरी तहसील फरीदकोट
(अन्तरक)

2. श्री कर्म सिंह तारा सिंह पुत्र श्री बूर सिंह गांव
सुरघुरी (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है और किराएवार यदि कोई
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यवित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त पद्धों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 206 मई 1976
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जैतो में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-12-1976

मोहर :

प्रलेप प्राईंटी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० मोगा/106/76-77—यतः मुझे, वी० आर०
सगर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा है तथा जो तसीख रोड,
मोगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269व के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदर्शन सिंह पुत्र श्री राजिंदर सिंह पुत्र गर्जिंदर
सिंह, वासी भाई टोली, मोगा
(अन्तरक)

2. श्री करतार सिंह रामगढ़िया पुत्र श्री सुन्दर सिंह
पुत्र श्री जगत मिह मार्फत मोटर इंजिनियरिंग वक्स तसील
रोड, मोगा
(अन्तरित)

3. जैसा कि नं० 2 पर है, किराएदार यदि कोई
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचमा आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयीय शुल्क करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 264
जून 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मोगा में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-12-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० अबोहर/113/76-77—यतः मुझे, वी० आर० आर० सगर

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बी०-2-335-ए० है तथा जो गली नं० 11-12 अबोहर में स्थित है (और इससे उपांडठ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री मोहरी राम पुन्न श्री मावन राम पुन्न श्री जमीयत रायर वासी गली नं० 12 अबोहर (अन्तरक)

2. श्री राम दास पुन्न श्री गोपाल दास पुन्न श्री नारायण सिंह वासी मकान नं० 7875 प्रेम नगर, अबोहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है, किराएदार यदि कोई (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवृत्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० बी०-2-335 ए, गली नं० 11-12 अबोहर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 342 जून 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अबोहर में लिखा है ।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

निवेश सं० फिरोजपुर/107/76-77—यतः मुझे, वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० धरती है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अविसयों, अर्थात् :—

4—416GI/76

1. श्री मेध सिंह सपुत्र श्री नरायण सिंह वासी गोविन्द
नगरी फिरोजपुर शहर (अन्तरक)

2. श्रीमती पिसती देवी या पिसतो देवी विधवा किशन
दास मेन बाजार, फिरोजपुर शहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है तथा किराएवार यदि कोई हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

हप्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2066 महीना
जुलाई 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिरोजपुर में लिखा
है ।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 20-12-1976

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसंबर 1976

निर्देश सं० फिरोजपुर/108/76-77--पतः मुझे, वी०
श्रार० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है
(और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घण्टित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई 1976

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मेघ सिंह पुत्र श्री नरायण मिह निवासी गोविन्द
नगरी, फिरोजपुर शहर (अन्तरक)

2. श्रीमती शाम पारी पत्नी श्री मोहन लाल निवासी
बसती बलोचां वाली फिरोजपुर शहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है और किराएदार अगर कोई है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में शक्ति रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि शाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2150 जुलाई 1976
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिरोजपुर में है।

वी० श्रार० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-12-1976

मोहर :

प्रेसुप्राईंडी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० फिरोजपुर/109/76-77—यतः मुझे वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घण्टित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविहए था, तिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ जो उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मेघ सिंह पुढ़ श्री नरायण सिंह निवासी गोविन्द
नगरी फिरोजपुर शहर (अन्तरक)
2. श्रीमती सवीता देवी पत्नी श्री ओम प्रकाश निवासी
मेन बाजार, फिरोजपुर शहर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है और किराएदार अगर कोई है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2065 जुलाई
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिरोजपुर में है।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-12-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

निवेश सं० फिरोजपुर/110/76-77—थतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हस्त में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है (और हस्ते उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

1. श्री मेघ सिंह पुत्र श्री नरायण सिंह निवासी गोविंद नगरी, फिरोजपुर शहर (अन्तरक)

2. श्री सन्त कुमार पुत्र श्री बरकर राम पुत्र श्री दितु मल और श्रीमती कान्ता रानी पत्नी श्री सन्त कुमार, 40/41 आर० आ० निवासी किलावाली गली, फिरोजपुर शहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है और किराएदार आगर कोई है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1810 जुलाई 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता फिरोजपुर में है।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-12-76

मोहर :

प्रस्तुति प्राई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसंबर 1976

निर्देश सं० फिरोजपुर/111/76-77—यतः मझे, वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1976

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
प्रतिरक्त (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रतिरक्त के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विद्या रखा
है :—

(क) प्रतिरक्त से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक्त के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः आव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः—

1. श्री मेष सिंह पुत्र श्री नरायण सिंह निवासी गोविन्द
नगरी, फिरोजपुर शहर (अन्तरक्त)

2. श्री बूज किशोर पुत्र श्री फकीर चन्द्र पुत्र श्री सगर मल
निवासी भौहल्ला बुधवारा बाला फिरोजपुर शहर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है और किराएकार अगर कोई है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1860 जुलाई
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में है ।

वी० आर० सगर

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 20-12-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 दिसंबर 1976

निवेश सं० फिरोजपुर/112/76-77—यतः मझे, वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथम :—

(1) श्री मेहरसिंह पुत्र श्री नरायण सिंह निवासी गोविन्द नगरी, फिरोजपुर शहर

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज दौलत राम एण्ड सन्ज द्वारा श्री दौलत राम पुत्र श्री साहिब सिंह पुत्र श्री महताब सिंह निवासी गोविन्द नगरी फिरोजपुर शहर।

(अन्तरिक्षीय)

(3) जैसा कि नं० 2 में है प्रौर किरायेवार अगर कोई है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1809 जुलाई, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-12-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 दिसम्बर 1976

निवेश नं० 1638 --यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो वरनाला
कला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अप्रैल, 1976 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दागित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमाणतः:—

- (1) श्री हरमोहिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री जगदीप सिंह, निवासी-
3204-सैक्टर—डी० चंडीगढ़ द्वारा श्रीमति बलजीत
कीर लड़की श्री हरमोहिन्द्र सिंह (अन्तरक)
- (2) शिवालक गंजुकेशनल सोसायटी रजिस्टर्ड, चंडीगढ़
द्वारा श्री दिवीन्द्र सिंह प्रिन्सीपल (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० दो में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग
में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वर्णीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 233 अप्रैल, 1976
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 22-12-76
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

प्रायधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 दिसम्बर 1976

निदेश नं० 1639/76-77 :—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में है तथा जो सबर बाजार
जालन्धर कैन्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रतिरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृषि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित घटितियों, अर्थात् :—

(1) श्री शाम लाल सुपुत्र श्री मिलखी राम निवासी-95
हरदयाल रोड, जालन्धर कैन्ट।

(अन्तरक)

(2) कुलभुपन, श्रीम प्रकाश सुपुत्र श्री अमर नाथ निवासी:
15/20 जालन्धर कैन्ट द्वारा मसर्स सोहन लाल तथा
संज, क्लाथ मर्चेन्ट सदर बाजार, जालन्धर कैन्ट।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उत्तर स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 356 मई, 1976
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24-12-1976

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०

ग्राम्य र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 दिसंबर 1976

मं० आर० ए० सी० 208 /77-76—यतः मृजे, के० ए० स०
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी भं० 8-बी०/142 है, जो गली नं० 25 में स्थित
है, (और इससे उपांच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ननदीयाल में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
18-5-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विरोधन या अन्य अरितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, इपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—416 जीआई/76

(1) श्री रंगा जीमा लगममा पती नरसिंह ननदीयाल-
करनूलनलूका।

(अन्तरक)

(2) 1. सी० राधाकृष्णन मूर्ति 2. वेंकटापुलम्बा-
छोटे होमे की बजह से पिता श्रीमनुचेटी पिता-विज्ञा
वेंकटमुब्द्ध्या ननदीयाल—करनूल-5, किंगयेदार
है अभिमन्यु चेटी के साथ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्द किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 25/8-बी०/142 (नं० 6366-193) सनजीव
नगर कालोनीननदीयाल बेचा गया है दस्तावेज नं० 940/76
तारीख 18-5-1976 उप-रजिस्ट्रार ननदीयाल के कार्यालय में।

के० ए० स० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-12-1976

मोहर :

प्ररूप शाई० टी० एन० एस० ---

ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 दिसम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० 209/76-77 :—यसः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास बरने वा बारण है कि रथावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10-3-3/17 है, जो तूर्प मरेंडपल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1976 को

पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास बरने का कारण है, कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन पर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) 1. वासुदेव भवानी पिता जेतानन्द, ग्रेटर कैलाश (एस०-185) नई दिल्ली 48-मुकुरदार नाम द्वारा गुरुचरन पिता जे० भवानी न० 10-3-3/17 तूर्प मरेंडपल्ली, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) 1. जैकुमार पमनामी 2. अर्जुनकुमार पमनामी 3. हरीशकुमार पमनामी पिता ताकूरदास पमनामी घर न० 10-3-3/17 तूर्प मरेंडपल्ली, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 10-3-3/17 प्लाट न० 22 में तूर्प मरेंडपल्ली में सिकन्दराबाद बैचा गया है, तारीख 8-4-1976 को उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद और दस्तावेज न० 747/76 जून, 1976 के मलने में।

के० एस० वेंकटरामन
मक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-12-1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सी० सदासिवम्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टी० ए० वज्रवेलू और टी० सी० ए० सिंगारम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 दिसम्बर 1976

निवेदण सं० 42/ मर्ई/ 76-77 —यतः, मुझे, जी० राम-
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 32/2 है, जो मुक्तश्वालयम्, सीताराम-पालयम् सेलम जिल्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, तिरुचे-गोड़ (पत्र सं० 1006/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिये कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तस्वीरबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रबंधिया, जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सेलम जिल्ला, सीतारामतालयम गाँव, मुक्तश्वालयम एस० सं० 32/2 में 3.60 एकड़ खेती की भूमि (मकान के साथ और आदि)।

जी० रामानाथन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 23-12-1976

मोहर :

प्रस्तुत शाई० टी० एन० एस०—————

(1) श्री नागूर मीरान श्रीर आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 दिसंबर 1976

निवेश सं० 77/मई/76-77 —यतः, मुझे, जी० रामानाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है,

और जिसकी मं० 1439/ 1 ए और 1 बी है, जो चिन्हमनूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिन्हमनूर (पत्र सं० ७६०/७६)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपनारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थात् :—

(2) श्री अब्दुल सलाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मुरुरै जिला, चिन्हमनूर गांव एस० सं० 1439/1 ए०
(0.48 एकड़ी) और 1439 /1 बी० (0.96 एकड़ी) में 1.44
एकड़ी खेती की भूमि (आम और नारियल की पेढ़ के साथ)।

जी० रामानाथन
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 24-12-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्रीमती भागीरति अम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 24 दिसम्बर 1976

निदेश स० एल० सी० 100/76-77—यतः मुझे, एस०
एन० चन्द्रचूटन नाथर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

ओर जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है, जो रोन्ट ईंट,
ट्रिचूर में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), नजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिचूर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 17-5-1976 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री के० जे० जोरंज (2) के० पी० मोहन एनियास
देवस्मि (3) श्रीचाम्मा जीन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधात
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/24th right over 54½ cents of land and Rama Varma
Theatre in Round East at Trichur.

एस० एन० चन्द्रचूटन नाथर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 24-12-1976

मोहर ।

प्रलेप आद्व० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 24 दिसम्बर 1976

निदेश सं० एल० सी० 101/76-77—यतः, मुझे, एस० एन०
चन्द्रचूटन नायर

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', बहा रहा है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० अनुसूची
के अनुसार है जो रोड ईस्ट, ट्रिच्चर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, ट्रिच्चर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्राम: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती टी० एन० जानकि

(अन्तरक)

(2) (1) श्री के० जे० जोरंज (2) के० पी० मोहन अलियास
देवसिंह (3) अच्छाम्मा जोन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/24th right over 54½ cents of land and Rama Varma
Thcute in Round East at Trichur.

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 24-12-76

मोहर

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

(2) श्रीमती टी० एन० पारबति

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) 1. के० जे० जोरंज (2) के० पी० मोहन अलियाम
देवस्मि (3) अच्चाम्मा जोन

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम्

एरणाकुलम्, दिनांक 24 दिसम्बर 1976

निदेश सं० एल० सी० 102/76-77—यतः, मुझे, एस०
एन० चन्द्रचूटन नाथर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो रोन्च ईस्ट ट्रिच्चूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय ट्रिच्चूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
17-5-1976

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल वे लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रातःशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वारसंदिक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) तेसी विसी आय या विसी छन या अन्य आरितियों
को जिन्हें भर्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धननकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त रथाथर सम्पत्ति में द्वितीय
विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहरताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/24th right over 541 cents of land and Rama Varma
Theatre in Round East at Trichur.

एस० एन० चन्द्रचूटन नाथर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम्

तारीख : 24-12-76

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचिन-16, दिनांक 24 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० एस० सी० 103/76-77—यतः मुझे, एस०
एन० चन्द्रचूटन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो रोड ईस्ट,
ट्रिचूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ट्रिचूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 18-5-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिपत्ति, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में व्यास्तिक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रष्ठीम निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात् ---

(1) (1) श्री दी० एन० कृष्णन. (2) टी० के०
भागरति, (3) टी० के० नागनाथन (अन्तरक)

(2) (1) श्री के० जे० जोर्ण, (2) के० पि० मोहन
अलियास देवस्मि, (3) अच्चाम्मा जोन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधिया सत्त्वसंधी व्यवितयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में व्यापकर्त्ता दिया गया है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है;

अनुसूची

7/24th right over 54½ cents of land with Rama Varma
Theatre in Round East at Trichur.

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 24-12-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वं

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम्

कोचिन-16, दिनांक 24 दिसम्बर 1976

निर्वेण सं० एल० सी० 104/76-77—यतः मुझे, एस०
एन० चन्द्रचूटन नाथर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वं के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो रौन्ड हाईस्ट, दिन्च्चूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, दिन्च्चूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269वं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—416जी०आई०/76

1. (1) श्री टी० एन० नारायणन, (2) टी० ए० भागीरति (टी० एन० अनन्त नारायणन के द्वारा) (3) टी० एन० नागनाथन (अनन्त नारायणन के द्वारा) (अन्तरक)

2. श्री के० जे० जोरज, (2) के० पि० मोहन अलियाम देवसिं, (3) अच्चामा जोन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7/24th right over 54½ cents of land with Rama Varma Theatre in Round East at Trichur.

एस० एन० चन्द्रचूटन नाथर
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम्

तारीख : 24-12-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोचिन-16, दिनांक 24 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० एल० सी० 105/76-77—यतः मुझे, एस०
एन० चन्द्रचूटन नाथर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो रैन्ड ईस्ट,
ट्रिचूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ट्रिचूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 18-5-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री (1) टी० एन० अनन्त रामन (2) टी०
ए० नागनाथन, (3) टी० ए० भागीरति (4) टी० ए०
अलमेलु (अनन्तरामन के द्वारा) (अन्तरक)

2. श्री (1) के० जे० जोर्ज, (2) के० ए०
मोहन, अलियास देवस्सि, (3) अच्चामा जोन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

7/24th right over 54½ cents of land with Rama Varma
Theatre in Round East at Trichur.

एस० एन० चन्द्रचूटन नाथर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 24-12-76

मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचिन-16, दिनांक 27 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० एल० सी० 106/76-77—यतः मुझे, एस० एन० चन्द्रचूटन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो शान्तनपारा विलेज में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, ऊमबनचोला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-5-1976

को पूर्णोष्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोष्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतदिक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पत्नी अम्माल (अन्तरक)

(2) श्री पी० वी० वरगीस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16.84 acres of cardamom estate in Sy. Nos. 13/1, 13/2, 13/3 and 13/4 of Santhanpara village in Iddikki District,

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 27-12-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री ए० एस० नटराजन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती अनन्मा वरगीस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोचिन-16, दिनांक 27 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० एल० सी० 107/76-77—यतः मुझे, एस०
एन० चन्द्रचूटन नाथर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो शान्तनपारा
विलेज में स्थित है (श्री इससे उपाखड़ अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
ऊटमबनचोला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं निया गया है:—

(क) अन्तरण से हीई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्यों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्यों
में से किसी व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 acres of cardamom estate with building in Sy. No.
10/1 of Santhanpara village in Iddikki District.

एस० एन० चन्द्रचूटन नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 27-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

(1) श्री राजा वाङ्मेव वस्वसुन्तर राव बेंगलूर
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कोमरिन सत्तीराजु वेगायम्मापेट (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 24 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 372—यतः मुझे वि०
वि० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 204 है, जो वेगायम्मापेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन 24-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचित अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचित अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उचित अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उचित अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उचित सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम भी तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचित स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षीक अंत 31-5-1976 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1799/76 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

वि० वि० सुब्बाराव
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 24-12-1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एम० एस०

(1) श्री राजा वाडेन वस्वसन्दरराथ बेंगलूर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कोमरिन सत्तीराजु वेगायम्मापेट (अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा
काकिनाडा, दिनांक 24 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 373—यतः मुझे
बि० वि० सुब्बाराव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम अधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 204 है, जो वेगायम्मापेट में स्थित है
(और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
18-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिक अंत 31-5-76
में पंजीकृत वस्तावेज न० 1814/76 में निर्गमित अनुसूची
सम्पत्ती।

बि० वि० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज काकिनाडा

तारीख : 24-12-76

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० ——

(1) श्री राजा बाडेव वीरन्भद्रगाव बेंगलूरु (अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री विक्कनि वेंकटारामाराव वेगायम्मापेट

269थ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 24 दिसम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० नं० 374—यतः मुझे
बि० वि० मुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 216 है, जो वेगायम्मापेट में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 24-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भापित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रिजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक अंत 3-5-67
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1800/76 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ती।

वि० वि० मुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 24-12-76

मोदूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 24 दिसंबर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 375—यतः मुझे
बि० वि० मुद्दागार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 226 है, जो वेगायम्मापेट में स्थित है
(और इससे उबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 18-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राज वाट्रेव वीरन्भद्रराव वेंगलूर (अन्तरक)
(2) श्रीमती बिक्कान वेंकटरमनमा वेंगायम्मापेट
(अन्तरिती)

(3) श्री बि० वि० वि० रामाराव वेंगायम्मापेट।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाँचिक अंत 3-5-976
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 813/76 में निगमित अनुसूची
समर्पती।

बि० वि० मुद्दागार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 24-12-1976

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 18th December 1976

No. A.33012/1/76-Admn.III.—The services of Shri S. K. Mishra, a permanent Section Officer of the Central Secretariat Service cadre of Union Public Service Commission are placed temporarily at the disposal of the Government of Uttar Pradesh with effect from 15-12-1976 (A.N.) for executive training in Lucknow.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary

(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE
REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 23rd December 1976

No. PF/N-2/69-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri N. S. Mathur, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation on promotion as Dy. Legal Adviser in C.B.I., S.P.E. in a temporary capacity with effect from the forenoon of 4th December, 1976 and until further orders.

He relinquished charge of the office of Sr. PP., C.B.I., GOW Delhi Branch in the afternoon of 3-12-76.

The 24th December 1976

No. A-19036/21/76-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation, Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Anis Ahmad Khan, an Officer of Delhi Police, as officiating Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, on deputation, with effect from the afternoon of 7-12-1976, until further orders.

No. PF/R-4/70-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri R. K. Bandha, Public Prosecutor, C.B.I. Head Office, on promotion as Senior Public Prosecutor, on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 8th December, 1976 and until further orders.

No. A-19036/20/76-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation, Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri B. N. Misra, an officer of Orissa State Police as officiating Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on deputation, with effect from the forenoon of 8-12-1976 until further orders.

P. S. NIGAM
Administrative Officer (F)
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 22nd December 1976

No. O-II-476/69-Estt.—Shri L. D. Bomzan, an officer of Madhya Pradesh State Police, on deputation as Commandant in the CRPF, retired from Government service on the afternoon of 30th September 1976 on attaining the age of superannuation.

No. O-II-1021/75-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Surendra Kumar Sahu, I.M.O., 38th Bn., CRPF with effect from the afternoon of 1st November, 1976.

4-416GT/76

THE 24th December 1976

No. O-II-267/69-Estt.—Consequent on the expiry of the period of his re-employment, Shri K. S. Brar handed over charge of the post of Dy. S.P. (CC/QM) 18th Bn., CRPF on the afternoon of 16th September, 1975.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR

Ranchi, the 20th November 1976

No. O.E.I-Audo-4228.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Nihar Ranjan Roy, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 29-10-76 (F.N.).

No. O.E.I-Audo-4279.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Lal Roy Satya Ranjan Bilas Sinha Srivastava, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 21-10-76 (F.N.).

No. O.E.I-Audo-4282.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Sushil Kumar Mukherjee, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 27-10-76 (F.N.).

The 24th November 1976

No. O.E.I-Audo-4308.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Prasant Kumar Ghosh, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 25-10-76 (F.N.).

No. O.E.I-Audo-4311.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Shailesh Chandra Bhattacharya, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 12-10-76 (F.N.).

No. O.E.I-Audo-4314.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Nirmal Chandra Das, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 25-10-76 (F.N.).

No. O.E.I-Audo-4317.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Salil Kumar Bhattacharya, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 26-10-76 (F.N.).

No. O.E.I-Audo-4716.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Kshiti Ranjan Gupta, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 27-10-76 (F.N.).

B. P. SINHA
Sr. Dy. Accountant General (Adm.)
Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU
AND KASHMIR

Srinagar, the 23rd December 1976

No. Admn.I/16(85)/76-77/4672-73.—The Accountant General, Jammu and Kashmir has appointed Shri Sohan Lal Wazir, Section Officer (date of birth 6-3-1931) of this office to officiate as Accounts Officer with effect from 16-12-1976 (F.N.) until further orders.

R. P. PAL
Sr. Dy. Accountant General (A&E)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS.

New Delhi, the 18th December 1976

No. 23012(1)/76-AN-A—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in a substantive capacity with effect from the forenoon of the dates shown against each:—

Sl. No.	Name	Organisation in which serving.	Date of effect.
1	2	3	4
Sarvashri			
1.	Labh Singh Oberoi	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.	1-5-1975
2.	S. K. Sachdev	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.	1-5-1975
3.	V. P. Gupta	Controller of Defence Accounts Patna.	8-11-1975
4.	V. D. Kulkarni	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.	1-5-1975
5.	S. S. Sethi	Controller of Defence Accounts (Other Ranks)—North, Meerut.	1-5-1975
6.	Ganga Prasad Raina	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.	1-5-1975
7.	V. V. George	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.	1-5-1975
8.	C. S. Vasudeva-murthy	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.	1-5-1975
9.	P. N. Narasimhan	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.	1-5-1975
10.	S. Kalyanakrishnan	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	1-5-1975
11.	Sardari Lal Sethi	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.	1-5-1975
12.	C. D. Mathai	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	1-5-1975
13.	K. P. Viswanathan	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.	1-5-1975
14.	Manohar Lal Dua	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.	1-5-1975
15.	Ram Prakash Berry	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.	1-5-1975
16.	B. G. Chatterjee	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	1-5-1975
17.	K. Thiruvengadthan	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.	1-5-1975

1	2	3	4
Sarvashri			
18.	P. N. Datin	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.	1-5-1975
19.	K. Nagarajan	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.	1-5-1975
20.	R. N. Malhotra	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	1-5-1975
21.	D. R. Ramdasi	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.	1-5-1975
22.	R. M. Malhotra	Controller of Defence Accounts (Other Ranks)—North, Meerut.	1-5-1975
23.	Sohri Lal	Controller of Defence Accounts Northern Command, Jammu.	1-5-1975
24.	P. B. Bhattacharjee	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	1-5-1975
25.	N. Gopalaswamy	Controller of Defence Accounts Patna.	1-5-1975
26.	Biru Ram Kakra	Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut.	1-5-1975
27.	M.G. Krishnamurthy	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	1-5-1975
28.	M.G. Kamalapurkar	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.	1-5-1975
29.	R. S. Venkataraman	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) — South, Madras.	1-5-1975
30.	Kusum Kumar Jaitly	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	1-5-1975
31.	M. K. Dabir	Controller of Defence Accounts Patna.	1-5-1975
32.	B. Soubba Rao	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	1-5-1975
33.	O. S. Dorairajan	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.	1-5-1975
34.	Nirmal Singh	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.	1-5-1975
35.	Gurbux Rai	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) — North, Meerut.	1-5-1975
36.	D. L. Dutta	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	1-5-1975
37.	S. K. Bose	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	1-5-1975
38.	P. L. Khatri	Controller of Defence Accounts Patna.	1-5-1975

1	2	3	4	1	2	3	4
Sarvashri							
39.	V. Gopalan	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.	1-5-1975	61.	K. P. Bhaskaran Nair	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.	22-5-1975
40.	K. B. Nayar	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.	1-5-1975	62.	P. B. Pal	Controller of Defence Accounts Patna.	21-5-1975
41.	R. K. Raina	Controller of Defence Accounts Northern Command, Jammu.	11-5-1975	63.	T. S. Subramaniam	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.	25-6-1975 21-5-1975
42.	V. Narayanaswamy	Controller of Defence Accounts Patna.	1-5-1975	64.	B. K. Chakravarty	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	21-5-1975
43.	B. L. Dhawan	Controller of Defence Accounts Patna.	1-5-1975	65.	P. V. Dange	Controller of Defence Accounts (Officers) Calcutta.	15-6-1975
44.	V. G. Mungekar	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	1-5-1975	66.	B. R. Vasudeva	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.	15-6-1975
45.	J. K. Sahasrabudhe	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.	1-5-1975	67.	A. Veeraswara Rao	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	15-6-1975
46.	Kishori Lal Jain	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	1-5-1975	68.	M. G. Rama Verma	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.	15-6-1975
47.	P. Ramani	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) — South, Madras.	1-5-1975	69.	Shadi Lal Verma	Controller of Defence Accounts Northern Command, Jammu.	15-6-1975
48.	Sohan Lal Dhawan	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) — North, Meerut.	1-5-1975	70.	T. R. Ganesan	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.	6-7-1975
49.	W. D. Nangia	Controller of Defence Accounts Patna.	1-5-1975	71.	B. C. Bose	Controller of Defence Accounts Patna.	15-6-1975
50.	S. R. Ganguly	Controller of Defence Accounts Patna.	30-5-1975	72.	R. K. Deb	Controller of Defence Accounts Patna.	15-6-1975
51.	Ram Saran Das Bhatia	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) — North, Meerut.	1-5-1975	73.	Anup Singh Bhasin	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.	15-6-1975
52.	D. V. Rama Sastry	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	4-5-1975	74.	H. K. Banerjee	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	13-9-1975
53.	Gurcharan Singh	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) — North, Meerut	1-5-1975	75.	O. De'Mello	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.	9-7-1975
54.	A. S. Muddi Bihal	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.	1-5-1975	76.	N. K. Phanse	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	9-7-1975
55.	D. Gopalakrishnan	Controller of Defence Accounts Patna.	21-6-1975	77.	Amolak Raj	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) — North Meerut.	9-7-1975
56.	V. S. Prakasa Rao	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) — North, Meerut	22-5-1975	78.	M. C. Lukose	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) — South, Madras.	23-7-1975
57.	D. V. Behal	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad	21-5-1975	79.	P. G. Deshmukh	Controller of Defence Accounts Patna.	16-8-1975
58.	S.C. Bhattacharjee	Controller of defence Accounts Patna.	21-5-1975	80.	R. K. Ramanathan	Controller of Defence Accounts Patna.	16-8-1975
59.	V. Narayana Rao	Controller of Defence Accounts Patna.	5-6-1975	81.	S. V. Date	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) — South, Madras.	16-8-1975
60.	M. R. Dhawan	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.	21-5-1975				

1	2	3	4
1	2	3	4
Sarvashri			
82. N. V. Chaudhari	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.	16-8-1975	97. K. Venkataraman Controller of Defence Accounts (Other Ranks) — North, Meerut.
83. K. Sivadasa Menon	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.	16-8-1975	98. V. Subramaniam Controller of Defence Accounts (Other Ranks) — South, Madras.
84. S. N. Dandona	Controller of Defence Accounts Patna.	22-8-1975	99. Y. W. Sudan Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
85. N. Krishnamurthy	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) — South, Madras.	16-8-1975	100. N. Dutta Mazumdar Controller of Defence Accounts (Other Ranks) — South, Madras.
86. S. C. Datta	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.	16-8-1975	101. A. K. Dass Controller of Defence Accounts Patna.
87. J. Ramanand	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.	16-8-1975	102. M. L. Deb Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.
88. M. Srinama Sastry	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	16-8-1975	103. Ram Nath Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut.
89. Bawa Bir Singh	Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut.	16-8-1975	104. T. S. Swaminathan Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
90. S. Rama Rao	Controller of Defence Accounts Patna.	18-8-1975	105. A. Jayaraman Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
91. Chandgi Ram Jindal	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.	16-8-1975	106. R. Vaidyanathan Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
92. G. P. Chowdhary	Controller of Defence Accounts Patna.	16-8-1975	107. V. S. Kohli Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
93. V. Srinivasan	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.	10-9-1975	108. V. Krishnamachari Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
94. P.V.V.S. Ratna Rao	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.	10-9-1975	109. Hari Krishna Gupta Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
95. R. Rajagopalan	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) — South Madras.	10-9-1975	110. K. S. Arunachalam Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.
96. H. K. Lal	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	10-9-1975	

The 22nd December 1976

No. 40011(2)/76/AN-A—(1) The undermentioned Accounts Officers will be/have been transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment.	Organisation
1	2	3	4	5
Sarvashri				
1. V. Raghavan (P/85)	Permanent Accounts Officer.	30-6-77	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.	
2. Jagdish Chandra Dutta (P/180)	Permanent Accounts Officer.	30-4-77	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun.	
3. G. C. Bagchi (P/216)	Permanent Accounts Officer.	31-5-77	Controller of Defence Accounts, Patna.	

1	2	3	4	5
4.	N. R. Mukherjee (P/419)	Permanent Accounts Officer.	31-5-77	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
5.	Rati Ram Gupta (NYA)	Officiating Accounts Officer	30-6-77	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun
6.	I. L. Mehta (NYA)	Officiating Accounts Officer.	31-1-77	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
7.	Hari Chand Satija (NYA)	Officiating Accounts Officer.	31-10-76	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun.
8.	Triloki Chand Saracen (NYA)	Officiating Accounts Officer.	31-10-76	Controller of Defence Accounts (Other Ranks)—North, Meerut.

(2) Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Article 459(i) Civil Service Regulations, Volume I, Shri Raj Pal Kakkar, Permanent Accounts Officer (P/161) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut will be transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of the 1st January 1977.

Shri R. P. Kakkar has been granted 92 days leave pending retirement from 1-10-76 to 31-12-76.

3. The following is added as para (4) to this Department notification bearing No. 40011(2)/76-AN-A dated 22-11-1976:—

"Shri Labh Singh Oberoi, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave for 120 days from 2-12-1976 to 31-3-1977 pending retirement."

S. V. SUBRAMANIAN
Dy. Controller General of Defence Accounts (AN).

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
Calcutta, the 22nd December 1976

No. 97/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri B. K. Sen, offg. Asstt. Manager (Permt. Foreman) retired from service with effect from 31st October, 1976 (A.N.).

M. P. R. PILLAI
Asstt. Director General, Ordnance Factories

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADM. SEC. A-6)

New Delhi, the 22nd December 1976

No. A6/247(193)/59-II.—Shri M. K. Mungi, permanent Exam. of Stores (Engg.) and officiating Inspecting Officer (Engg.) in the Bombay Inspection Circle under the Dte. General of Supplies and Disposals New Delhi has retired from Govt. service w.e.f. 31-10-76 (AN) on attaining the age of superannuation.

No. A6/247(320)/I.—Shri S. V. Ambaye permanent Exam. of Stores (Engg.) and officiating Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Bombay Inspection Circle under the Directorate General of Supplies and Disposals New Delhi has retired from service w.e.f. 31-10-76 (AN), on attaining the age of superannuation.

No. A6/247(336)/61.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Ghosh, Asstt. Inspecting Officer to officiate on ad hoc basis as Inspecting Officer (Engg.) in the Engg. Branch of Grade III of Indian Inspection Service Class I with effect from the forenoon of 29-11-76 until further orders.

Shri Ghosh proceeded on leave from 18-10-76 at Calcutta and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of D.I. Madras on the forenoon of the 29th November, 1976.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

DIRECTORATE OF SUPPLIES & DISPOSALS

Calcutta-69, the 23rd December 1976

Notice No. DI/CON/DE dt. 22-12-76

No. Cal/D-1/PO/134.—Whereas an inquiry under rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965 is being held against Shri N. K. Malhotra, Deputy Director (Under Suspension), Directorate of Supplies & Disposals, Calcutta.

And whereas Shri S. C. Kapoor, Director of Inspection, Calcutta being appointed as Inquiry Officer is to inquire into the charges framed against the said Shri Malhotra the next date of departmental inquiry has been fixed on 8-2-77 at 11 A.M. Shri Malhotra is required to attend the hearing on the said date in the office of Director of Inspection, Calcutta with his defence assistant, if any. If Shri Malhotra fails to attend, the proceedings will be held *ex parte*.

S. K. DESARKAR
Asstt. Director (Admin.)
for Director of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 21st December 1976

No. 3785/B/13/74/19C.—The following officers are confirmed in the grade of Shift Boss in the Geological Survey of India with effect from the dates shown against each:

DIRECT RECRUITS

Sl. No., Name of officers and Date of confirmation :

1. Shri B. K. Sabu—4-6-73.
2. Shri Md. Murtaz Hassan—22-4-74.
3. Shri P. K. Haizal—16-6-74.
4. Shri K. Ramakrishnan—21-2-75.
5. Shri G. S. Poddar—21-2-75.

DEPARTMENTAL PROMOTEES

1. Shri Jagdish Singh—4-6-73.
2. Shri A. Srinivasan—22-4-74.
3. Shri K. C. Sogani—16-6-74.
4. Shri D. K. Jai—21-2-75.
5. Shri H. V. C. Setty—21-2-75.

The 22nd December 1976

No. 4012/B/40/59/C/19A.—Shri N. R. Mukherjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 3-11-1976 until further orders *vice* Shri M. M. Das, Assistant Administrative Officer, North Eastern Region, Geological Survey of India on leave.

No. 4028/B/30/75/19C.—Shri S. K. Bhan, Geologist (Jr.), of G.S.I. is declared quasipermanent in the grade of Asstt. Geologist in the G.S.I. w.e.f. the forenoon of the eleventh April of 1969.

No. 4035/B/40/59/C/19A.—Shri B. K. Chatterjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 5-11-1976, until further orders *vice* Shri B. V. Chahande, Assistant Administrative Officer, Central Region, Geological Survey of India on leave.

V. K. S. VARADAN
Director General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 23rd December 1976

No. F.20(B-3)20/62-A1.—Consequent on the appointment of Shri S. C. Bose substantively to the post of Archivist in the Ministry of External Affairs w.e.f. 11-10-1976, the Director of Archives, Government of India, terminates his lien on the post of Archivist (General) in the National Archives of India, New Delhi, from the same date.

S. N. PRASAD
Director of Archives

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 28th December 1976

No. F.92-120/76-Estt.23758.—Dr. M. S. Pradhan, is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B') in Zoological Survey of India, in a temporary capacity with effect from 10-12-76 (F.N.), until further orders.

DR. S. KHERA
Joint Director-in-Charge
Zoological Survey of India

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION**

Bombay-26, the 20th December 1976

No. A-31014/6/75-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, Bombay, hereby appoints Shri H. G. Bhandarkar,

Permanent Technical Assistant and Officiating Stores Officer to the post of Stores Officer, in a substantive capacity with effect from the 1st December, 1976.

The 22nd December 1976

No. 3/2/62-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri J. N. Desai, Permanent Cameraman, Films Division, Bombay to officiate as Cameraman (Cartoon Film Unit) in the same office from 24-11-1976 (F.N.).

No. 9/112/49-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, Bombay has appointed Shri N. P. Sitaram, Officiating Recordist in the Films Division, Bombay to officiate as Chief Recordist in the Films Division, New Delhi with effect from the forenoon of the 11th November 1976.

M. CHANDRAN NAIR
Administrative Officer
for Chief Producer

Bombay-26, the 27th December 1976

No. A-31014/4/75-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, Bombay, hereby appoints Shri S. P. Chandra Mohan, Quasi-Permanent, Production Manager to the post of Production Manager in a substantive capacity with effect from the 9th January, 1971.

M. K. JAIN
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 15th December 1976

No. 2/50/56-Est.I.—On attaining the age of superannuation Shri Gambhir Singh, a permanent Assistant and officiating Supervisor in this Directorate retired from Government service with effect from the afternoon of the 30th November, 1976.

R. DEVASAR
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th December 1976

No. A.12023/8/76(CHEB) Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. L. Malhotra to the post of Health Education Officer (Field Study and Demonstration Centre), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, with effect from the forenoon of 9th November, 1976, on an *ad-hoc* basis and until further orders.

The 29th December 1976

No. 26-11/70-Admn.I.—The Government of India announce with profound regret the death of Dr. S. K. Shome, Assistant Director at the National Institute of Communicable Diseases, New Delhi, on the 26th November, 1976 (Afternoon).

No. A.31014/13/76(CHEB) Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. S. K. Karkara in a substantive capacity to the permanent post of Health Education Officer (Nursing) Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, New Delhi, with effect from the 7th October, 1975.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehradun, the 27th December 1976

No. 4-7/76-Adm.—Shri D. P. Mohindra, Permanent Accounts Officer of the Defence Accounts, belonging to the cadre of Controller General of Defence Accounts, is hereby appointed as Accounts Officer in the Preinvestment Survey of Forest Resources, Dehradun w.e.f. 10-12-76 (F.N.) on deputation terms, until further orders.

ROMESH CHANDRA
Chief Coordinator

DELHI MILK SCHEME

New Delhi, the 27th December 1976

No. 3-98/76-Estt(Spl).—Shri J. C. Kohli, Assistant Milk Distribution Officer, is appointed to officiate as Milk Distribution Officer (Group 'B' Gazetted) on a purely *ad hoc* and temporary basis under the Delhi Milk Scheme with effect from 1-12-1976 (F.N.) for a period of six months.

GORAKH RAM
Chairman

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 31st October 1976

No. PA/62(17)/73-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Pandurang Masotrao Sawai, a permanent Leading Fireman and officiating Sub-Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Station Officer in the same Research Centre for a period of 2 months or until further orders whichever is earlier, on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of October 18, 1976.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 6th December 1976

No. 10/5(28)/76-CED(H):—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore, is pleased to appoint the undermentioned officers on deputation in the Civil Engineering Division of the Department of Space as Engineer SB in the same Division in an officiating capacity with effect from the date indicated against each and until further orders.

Sl. No.	Name	Post held at present	Date of appointment as Engineer SB
1.	Shri H. Rajasimha	Supervisor (Tech. Asst. C.)	1-7-1976
2.	Shri M. Saiprasad	Do.	1-7-1976
3.	Shri R.C. Balasubramanyam Raju	Do.	1-7-1976
4.	Shri P. Raja Reddy	Do.	1-7-1976

P. I. U. NAMBIAR,
Administrative Officer-II
for Chief Engineer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-22, the 7th December 1976.

No. A. 32013/J1/76-EC:—The President is pleased to appoint the following Communication Officers to the grade of Senior Communication Officer on a regular basis with effect from the date and posting indicated against each and until further orders:—

S. No.	Name	Present station of posting.	Station to which transferred.	Date of assumption of charge.
1.	Shri M. C. Jain	Regional Office, New Delhi.	D.G.C.A. (Hqrs.)	29-10-76 (F.N.)
2.	Shri S. R. Raghavendra Rao	ACS, Madras.	ACS, Madras.	2-11-76 (F.N.)
3.	Shri P. K. Singhal	ACS, Agartala.	ACS, Safdarjung, New Delhi.	20-11-76 (F.N.)

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 22nd December 1976

No. VSSC/EST/01-37.—The Controller VSSC hereby appoints Shri M. S. Anantha Ramu, in VSSC, Department of Space as Vice Principal in the Central School VSSC on a purely temporary and provisional basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of 10th September, 1976 until further orders.

RAJAN V GEORGE
Admn. Officer II (EST)
for Controller

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 24th December 1976

No. E(I)04383.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. C. Mukherjee, Professional Assistant, office of the Director Regional Meteorological Centre, Calcutta, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of SIXTY days with effect from the forenoon of 16-11-76 to 14-1-77.

Shri Mukherjee, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)06754.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. Rangachary, Professional Assistant, C.W.C. Visakhapatnam, under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of SIXTY days with effect from the forenoon of 2-12-76 to 30-1-77.

Shri Rangachary, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the C.W.C., Visakhapatnam, under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(I)07267.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Shaik Naseeruddin, Prof. Assistant, Meteorological Centre, Hyderabad, under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, MADRAS, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of THIRTYTWO days with effect from the forenoon of 30-11-76 to 31-12-76.

Shri Naseeruddin, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Meteorological Centre, HYDERABAD, under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-22, the 7th December 1976.

No. A. 32013/J1/76-EC:—The President is pleased to appoint the following Communication Officers to the grade of Senior Communication Officer on a regular basis with effect from the date and posting indicated against each and until further orders:—

S. No.	Name	Present station of posting.	Station to which transferred.	Date of assumption of charge.
1.	Shri M. C. Jain	Regional Office, New Delhi.	D.G.C.A. (Hqrs.)	29-10-76 (F.N.)
2.	Shri S. R. Raghavendra Rao	ACS, Madras.	ACS, Madras.	2-11-76 (F.N.)
3.	Shri P. K. Singhal	ACS, Agartala.	ACS, Safdarjung, New Delhi.	20-11-76 (F.N.)

The 16th December 1976

No. A 32014/2/76-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to promote the following Aerodrome Assistants to the grade of Assistant Aerodrome Officer, on a purely ad-hoc basis, for a period of one year from the date they assume charge of the post, or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

S. No.	Name	Date of promotion	Station
S/Shri			
1.	H. D. Ghosal	22-11-76	CATC Allahabad.
2.	V. S. R. Rao	3-12-76	Do.
3.	P. Raghvan	22-11-76	Do.
4.	L. C. Chandwani	4-12-76	Do.
5.	P. K. Dey	23-11-76	Do.
6.	K. R. Pandulai	2-12-76	Do.
7.	M. R. Naidu	23-11-76	Do.
8.	Hans Raj	22-11-76	Do.
9.	M. K. Roy Chowdhury	22-11-76	Do.
10.	J. N. Moses	22-11-76	Madras.
11.	A. K. Sircar	22-11-76	CATC Allahabad.
12.	J. R. Soni	22-11-76	Do.
13.	P. N. Dhar	22-11-76	Do.
14.	M. S. Sharma	22-11-76	Do.
15.	R. D. Bajpai	22-11-76	Do.
16.	K. B. Sachdev	22-11-76	Safdarjung N. Delhi
17.	J. L. Kapur	22-11-76	CATC Allahabad.
18.	M. G. Thorat	23-11-76	Do.
19.	Prem Kumar	22-11-76	Do.

The 18th December 1976

No. A.32013/13/76-EA.—Shri S. M. Nagalingam, Fire Officer reverted to the post of Assistant Fire Officer with effect from the 17-11-76 (A.N.). He is posted as Assistant Fire Officer at Madras Airport, Madras.

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 20th December 1976

No. A.38012/10/76-ES.—On attaining the age of superannuation, Shri R. P. Sharma, Senior Aircraft Inspector in the Office of the Regional Director, Delhi Region, Delhi, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 30th November, 1976.

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 23rd December 1976

No. 12/7/75-EST.—The following officiating Administrative Officers and Assistant Administrative Officers, are appointed

as Administrative Officer and Assistant Administrative Officer in a substantive capacity in the post and with effect from the date indicated against each:-

S. No.	Name	Post in which confirmed.	Date of substantive appointment.
1.	Shri H. L. Malhotra	Administrative Officer.	1-3-1974
2.	Shri M.S.Krishnaswamy	Administrative Officer.	1-3-1975
3.	Shri M.V. Kini	Assistant Administrative Officer.	2-12-1973
4.	Shri S. K. Sengupta	Assistant Administrative Officer.	1-3-1974
5.	Shri S. Venkateswaran	Assistant Administrative Officer.	2-3-1974
6.	Shri P.C.K. Nair	Assistant Administrative Officer.	1-3-1975
7.	Shri V. V. Benegal	Assistant Administrative Officer.	2-3-1975

P. G. DAMLE,
Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 24th December 1976

No. 15/109/76-Ests.I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, has been pleased to appoint Shri S. R. Madhavan Pillai, Research Assistant Grade I, to the post of Research Officer on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 14th September, 1976, until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR
Kul Sachiv

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 16th November 1976

No. 11/76.—Shri N. R. Jadhav, permanent Superintendent of Central Excise, Group B, Inspection Group of Baroda Division-III shall retire on superannuation pension in the afternoon of 30-11-1976.

H. R. SYIEM
Collector of Central Excise
Baroda

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, M.P. &
VIDARBHA

Nagpur, the 22nd December 1976

No. 36.—Consequent upon his transfer Shri H. S. Brar, Assistant Collector of Customs Amritsar of Chandigarh Collectorate has assumed charge of Assistant Collector of Central Excise Division, Bhopal of Nagpur Collectorate in the forenoon of 14th December, 1976.

No. 37.—Shri K. C. Puranik, Superintendent, Central Excise Group 'B' of Nagpur Collectorate, who has already attained the age of 50 years and has given notice for voluntary retirement w.e.f. 31-3-1977 (A.N.), shall retire from service under F.R. 56 (K) w.e.f. 31-3-1977 (A.N.).

No. 38.—Consequent upon his transfer from Central Excise Collectorate Hyderabad, Shri R. S. Berar, Chief Accounts Officer of Central Excise has assumed charge of Chief Accounts Officer (Receipts and Refunds) in this Collectorate, in the forenoon of 25-10-1976.

M. S. BINDRA
Collector

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 17th December 1976

CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 4/1976.—On transfer Shri M. M. Srivastava, Assistant Chemical Examiner Central Excise Laboratory, Digboi (Assam) assumed charge in the same capacity in the Custom House Laboratory, Calcutta with effect from 30-8-76 (F.N.).

V. S. RAMANATHAN
Chief Chemist, Central Revenues

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400001, the 28th December 1976

No. 30-Admn(2)/58-III.—The Director General of Shipping hereby appoints Smt. V. M. Salvi, temporary Executive Officer/Freight Investigating Officer in the Directorate General of Shipping as Executive Officer/Freight Investigating Officer in a substantive capacity, with effect from 1st May, 1975.

S. M. OCHANAY
Dy. Director General of Shipping
for Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 17th December 1976

No. A-19012/192/76-Adm.V.—Consequent upon his attaining the age of superannuation, Shri K. S. Chawla relinquished charge of the office of the Extra Assistant Director, C.W.C. w.e.f. the afternoon of 30-11-1976 and retired from Government Service w.e.f. the same date and time.

JASWANT SINGH
Under Secy.
for Chairman, C.W. Commission

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 29th November 1976

No. 33/12/73-ECTX.—The President is pleased to appoint Shri Rajinder Singh Kaushal, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Architect (G.C.S. Group A) in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 1100/- P.M. in the scale of Rs. 1100-50-1600 (plus usual allowances) w.e.f. 10th November, 1976 F.N. on the usual terms and conditions.

2. Shri Kaushal is placed on probation for a period of two years w.e.f. 10-11-76 F.N.

Shri Kaushal is posted in SA (H&TP) Unit II, C.O., C.P.W.D., New Delhi.

The 22nd December 1976

No. 27/38/76-ECIX.—Engineer-in-Chief is pleased to appoint Shri M. V. Korgaonkar a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Assistant Architect (G.C.S. Group B) in the C.P.W.D. on the pay to be fixed according to rules after satisfactory completion of period of probation of two years. For the present he will draw Rs. 650/- p.m. 8-416GI/76

in the scale of Rs. 650-30-740-35-810—EB-35-880-40-1000—EB-40-1200 (plus usual allowances) with effect from 10-12-76 F.N. on the usual terms and conditions.

Shri Korgaonkar is placed on probation for a period of two years w.e.f. 10-12-76 F.N.

S. S. P. RAU
Deputy Director of Administration
for Engineer in Chief

New Delhi, the 30th November 1976

No. 27(E)/M(14)/69-FCII.—Shri J. P. Manglik Executive Engineer (Vig.) Office of the Engineer-in-Chief, Central P.W.D., New Delhi has retired from service on 30-11-76 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

P. S. PARWANI
Dy. Director of Admn.
for Engineer-in-Chief

MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 18th December 1976

No. 75/W4/CNL/SE/24.—It is hereby notified for general information that the Ministry of Railways (Railway Board) have accorded sanction to the construction of a new broad gauge line from Jakhpura to Daitari as the first phase of the rail link between Jakhpura and Banspani. The length of the railway line from Jakhpura to Daitari is 33.5 Kms.

B. MOHANTY
Secretary, Railway Board

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Metro Real Estates Private Limited*

Hyderabad, the 22nd December 1976

No. 1518/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Metro Real Estates Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies
Andhra Pradesh, Hyderabad

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Rajshree Minerals Private Limited*

Jaipur, the 23rd December 1976

No. STAT/1151/14674.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Rajshree Minerals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. D. KUREEL
Registrar of Companies
Rajasthan, Jaipur

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Assam Supply Private Limited*

Shillong, the 27th December 1976

No. 683/560/3212.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Assam Supply Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. MANDAL
Registrar of Companies
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland
Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 1st November 1976

INCOME-TAX ESTABLISHMENT

Bombay, the 1st November 1976

No. 322.—The following officers are hereby appointed substantively to the posts of Income-tax Officer, Class-II with effect from 28th September, 1976.

1. Shri R. K. Gupta.
2. Shri V. B. Kulkarni.

3. Shri A. P. Sharma.
4. Shri C. S. Rao.
5. Shri N. G. Telang.
6. Shri K. K. Sharma.
7. Shri S. V. Manghani.
8. Shri V. P. Bhatia.
9. Shri D. L. Tejwani.
10. Shri R. G. Chiplunkar.
11. Shri B. S. Karpe.
12. Shri M. T. Makhijani.
13. Shri H. R. Totlani.
14. Shri P. G. Patkar.
15. Smt. B. Balasubramanian.
16. Shri V. P. Raichur.

V. RAMASWAMI IYER
Commissioner of Income-tax
Bombay City-I, Bombay

FORM ITNS—

(1) Shri Raj Narain s/o Ram Kishore Misra r/o Muradabad P.O. Ganj Muradabad Parg Bangoremaw Teh. Safipur Distt. Unnao.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 21st December 1976

Ref. No. F. Acq/239-A/Safipur/76-77/2716.—Whereas, I Vijay Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Safipur on 4-5-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Saroj Kumar, 2. Manoj Kumar, (minors) sons of Sri Bhagwat Swaroop alias Khushi Lal r/o Sukhapura Majra P.O. Kakanpur Teh. & Parg Bilhaur Distt. Kanpur (Part of †), 3. Sri Radhey Lal, 4. Sri Vidya Sagar Katiyar sons of Sri Bihari Lal r/o Hasanpur Majra Parg Bangoremaw Teh. Safipur Distt. Unnao (Part of †), 5. Sri Kamlesh Chand, 6. Sri Dinesh Chand sons of Sri Ram Chand r/o Kapurpur Parg. Bangoremaw, Teh. Safipur Distt. Unnao (Part of †), 7. Sri Arun Kumar s/o Sri Sone Lal r/o Mauza Muradabad Parg. Bangoremaw Teh. Safipur Distt. Unnao (Part of †).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting agriculture land Khasra
No. 534 and 535 measuring 19 bigha and 16 bishwa
4½ 15½ situated at Mauza Muradabad Parg. Bangoremaw Teh. Safipur Distt. Unnao, transferred for an apparent consideration for Rs. 40,600/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 21-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gulab Kaur
through Shri Gurmit Singh, Advocate
s/o Shri Ajit Singh r/o Muktsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

(2) Shri Darshan Singh
s/o Shri Parkash Singh
Smt. Saroj Rani w/o Sh. Kishan Singh or Krishan
Singh, Sh. Davinder Kumar s/o Shri Mohan
Lal, Gursharan Dass s/o Shri Lachhman Dass,
Smt. Samitra Devi w/o Shri Surinder Paul r/o
Muktsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Amritsar, the 20th December 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. FDK/100/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Land situated at Ballam Garh Road, Abohar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Muktsar in May 1976

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the con
sideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the trans
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 312 of
May, 1976 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Date : 20-12-76

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 20th December 1976

Ref. No. ASR/101/76-77.—Whereas, I V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-2-335-A, situated at Gali No. 11-12, Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in May 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mohri Ram s/o
Shri Sawan Ram s/o
Shri Jamiat Rai r/o
Gali No. 12, Abohar.

(Transferor)

(2) S/Shri Kharity Lal
Ramesh Kumar, Vijay Kumar
and Satish Kumar S/o
Shri Ram Dass s/o Shri Gopal Dass
r/o Prem Nagar, Abohar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-2-335-A, Gali No. 11-12, Abohar as mentioned in the Registered Deed No. 335 of May, 1976 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-12-76

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Darshan Singh
s/o Shri Kartar Singh,
11-A Model Town, Phagwara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 20th December 1976

Ref. No. KPL/102/76-77.—Whereas, I V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-B, situated at Model Town Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in May 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Joga Singh s/o
Shri Nirmal Singh,
9-B Model Town, Phagwara.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9-B, Model Town, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 230 of May, 1976 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-12-76

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Gurdial Singh
Naginder Singh ss/o
Shri Fatta Singh s/o Shri Sudh Singh
r/o Patti Hakimki Purana Moga.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Satish Chander s/o
Shri Lekh Raj s/o
Shri Banshi Ram c/o
M/s. Thakar Dass Banshi Lal.
Commission Agents, Dana Mandi, Moga.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.**

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Amritsar, the 20th December 1976

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. MGA/103/76-77.—Whereas, I V. R. SAGAR
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land situated at Moga
(and more fully described in the
schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Moga in May 1976
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 462 of
May, 1976 of the Registering Authority, Moga.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-12-76
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 20th December 1976

Ref. No. MGA/104/76-77.—Whereas, I V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in May 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Joginder Singh
Ajmer Singh s/o
S. Fatta Singh s/o Shri Sudh Singh
r/o Patti Hakimki Purana Moga.

(Transferor)

(2) Shri Satish Chander s/o
Sh. Lekh Raj s/o
Shri Bansi Lal c/o
M/s. Thakar Dass Bansi Lal,
Commission Agents, Dana Mandi, Moga.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 462 of May 1976 of the Registering Authority, Moga.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-12-76

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Joginder Singh, Ajmer Singh s/o
S. Fatta Singh s/o Shri Sudh Singh r/o
Patti Hakimki Purana Moga.
(Transferor)

(2) Shri Som Nath s/o
Shri Des Raj s/o
Shri Bansi Ram c/o
M/s. Thakur Dass Bansi Lal,
Commission Agents, Dana Mandi, Moga.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)
(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 20th December 1976

Ref. No. MGA/105/76-77.—Whereas, I V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Moga situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in May 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
9—416GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 458 of May, 1976 of the Registering Authority, Moga.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-12-76
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 20th December 1976

Ref. No. BTD/114/76-77.—Whereas, I V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated Surghuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in May 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Mukhtiar Kaur & Smt. Nasib Kaur daughters of Shri Bachan Singh V. Surghuri Teh. Faridkot. (Transferor)
- (2) S/Shri Karam Singh Tara Singh ss/o Shri But Singh V. Surghuri. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deed No. 206 of May, 1976 of the Registering Authority, Jaitu.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-12-76
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gurdarshan Singh
s/o Sh. Rajinder Singh
s/o Gajinder Singh
r/o Bhai Toli Moga.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 20th December 1976

Ref. No. MGA/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Tehsil Road Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in June 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(2) Sh. Kartar Singh
Ramgaria s/o
Shri Sunder Singh s/o Shri Jagat Singh
c/o Motor Engineering Works,
Tehsil Road, Moga.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and other tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 264 of June, 1976 of the Registering Authority Moga.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-12-76

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 20th December 1976

Ref. No. ABR/113/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-2-335-A situated at Gali No. 11-12, Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in June 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohri Ram s/o
Shri Sawan Ram s/o
Shri Jamiat Rai
r/o Gali No. 12, Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Dass s/o
Shri Gopal Dass s/o
Shri Narain Singh r/o H. No. 7875,
Prem Nagar, Abohar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-2-335-A, Gali No. 11-12, Abohar as mentioned in the Registered Deed No. 342 of June, 1976 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-12-76
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Megh Singh
s/o Shri Narain Singh
r/o Gobind Nagri, Ferozepur City.

(Transferor)

(2) Smt. Pisti Devi or Pisto Devi
wd/o Shri Kishan Dass
r/o Main Bazar, Ferozepur City.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 20th December 1976

Ref. No. FZR/107/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozepur in July, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2066 of July, 1976 of the Registering Authority, Ferozepur.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-12-76

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 20th December 1976

Ref. No. FZR/108/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur in July 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Megh Singh
s/o Shri Narain Singh
r/o Gobind Nagri, Ferozepur City.

(Transferor)

(2) Smt. Sham Piari w/o
Shri Mohan Lal r/o Basti Balochanwati
Ferozepur City.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2150 of July, 1976 of the Registering Authority, Ferozepur.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-12-76

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Megh Singh s/o
Shri Narain Singh
r/o Govind Nagri, Ferozepur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Savita Devi
w/o Shri Om Parkash
r/o Main Bazar, Ferozepur City.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Amritsar, the 20th December 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2065 of July, 1976 of the Registering Authority, Ferozepur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-12-76

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.**

Amritsar, the 20th December 1976

Ref. No. FZR/110/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

No. Land situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur in July 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Megh Singh
s/o Shri Narain Singh
r/o Gobind Nagri, Ferozepur City.

(Transferor)

(2) Shri Sant Kumar
s/o Shri Barkt Ram s/o
Shri Dilip Mal &
Smt. Kanta Rani w/o Shri Sant Kumar
R/o 40/41 RO Killawali Gali,
Ferozepur City.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1810 of July, 1976 of the Registering Authority, Ferozepur.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-12-76

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Megh Singh
s/o Shri Narain Singh
r/o Gobind Nagri, Ferozepur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Brij Kishore s/o
Shri Faqir Chand s/o
Shri Sagru Mal
r/o Mohalla Budhwara Wala
Ferozepur City.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1860 of July, 1976 of the Registering Authority, Ferozepur.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-12-76

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
10—416GI/76

FORM ITNS

(1) Shri Megh Singh
s/o Shri Narain Singh
r/o Gobind Nagri, Ferozepur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

(2) M/s. Daulat Ram & Sons
through Shri Daulat Ram s/o Shri Sahib Singh s/o
Shri Mehtab Singh r/o
Gobind Nagri, Ferozepur City.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Amritsar, the 20th December 1976

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. FZR/112/76-77.—Whereas I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Ferozepur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozepur in July 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1809 of July, 1976 of the Registering Authority, Ferozepur.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely.

Date : 20-12-1976

seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 22nd December 1976

Ref. No. AP 1638.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Barnala Kalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar in April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harmohinder Singh, S/o Sh. Jagdip Singh R/o 3204-Sector-D, Chandigarh.
(Through G.A. Baljit Kaur, D/o Sh. Harmohinder Singh)
(Transferor)
- (2) Shivalak Educational Society, Regd. Chandigarh.
(Through Sh. Devinder Singh, Principal).
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

42 Kanal 4 marlas land at village Barnala Kalan as mentioned in Registration Deed No. 233 of April 1976 of the Registering authority, Nawanshahar.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22-12-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 24th December 1976

Ref. No. AP 1639/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Sadar Bazar Jullundur Cantt.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May 1976

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sham Lal S/o Sh. Milkhi Ram 9/5 Hardial Road, Jullundur Cantt.
(Transferor)
- (2) S/Sh. Kulbushan, Om Parkash s/o Sh. Amar Nath, 15/20 Jullundur Cantt. C/o M/s. Sohan Lal & Sons, Cloth Merchant, Sadar Bazar Jullundur Cantt.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Shop as mentioned in the Registered Deed No. 356 of May 1976 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-12-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th December 1976

Ref. No. RAC. No. 208/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-B/142 situated at Street No. 25 at Nandyal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandyal on 18-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rangachinna Lakshamma W/o Narasimhulu, Nandyal-town, Nandyal Kurnool-Dist. (Transferor)

(2) 1. C. Radhakrishnamurthy, 2. Venkatepulliah, being minors Represented by Natural guardian, Sri C. Abhimanyuchetty S/o Chinna Venkatasubbaiah Nandyal-town, Nandyal Kurnool Distt. (Transferee)

(3) tenants including C. Abhimanyuchetty.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing door No. 25/8-B-142 (Asst. No. 6366-193) Sanjeevanagar Colony, Nandyal sold under sale deed dated 18-5-1976 Registered as document No. 940/76 in the office of the Sub-Registrar Nandyal.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 29-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Vasudev J. Bhavani S/o Jethanand, R/o Greater Kailash (S-185) New Delhi-48. Represented by G.P.A. holder Gurucharan S/o W. J. Bhawani, H. No. 10-3-3/17 East Maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th December 1976

Ref. No. RAC. No. 209/76-77.—Where, J. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-3-3/17 situated at East Maredpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in June 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Jaikumar Pamanani, 2. Arjunkumar Pamanani, 3. Harishkumar Pamanani, S/o Thakurdass Pamanani residing at H. No. 10-3-3/17 at East Maredpally, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises bearing 10-3-3/17 on plot No. 22 situated at East Maredpally, Secunderabad sold under sale deed dated 8-4-1976 registered in the office of the Sub-Registrar Secunderabad as document No. 747/76 during the month of June 1976.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 29-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. C. Sadasivam,
No. 1, Velur Road,
Tiruchengode, Salem Dt.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri T. A. Vairavelu, } sons of T. C.
Shri T. C. A. Singaram, } Annamalai Mudaliar,
 } Pullukar Street,
 } Tiruchengode.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-6.

Madras-6, the 23rd December 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 42/MAY/1976-77.—Whereas, I G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 32/2, situated at Muthanampalayam alias Karatupalayam, Scetharampalayam, Salem Dt., and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengode (Doc. No. 1006/76) on May 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3.40 acres with buildings thereon (with 1 well and 5 HP motor pumpset) at survey No. 32/2, Muthanampalayam alias Karatupalayam, Scetharampalayam Village, Tiruchengode taluk, Salem District.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-J,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date :23-12-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 24th December 1976

Ref. No. 77/MAY/76-77.—Whereas, J. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1439/1A & 1B, situated at Chinnamanur, Madurai district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chinnamanur (Doc. No. 999/76) on May 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Nagoor Meenan,
2. Shri Mohamed Maraicar,
3. Smt. Pathu Muthu Beevi,
4. Miss Beerammal,
5. Shri Mohamed Hanifa &
6. Shri Mohamed Ghani,
Thevaram village, Uthamapalayam.

(Transferees)

- (2) Shri Abdul Salam,
S/o Shri S. M. Nainar Md. Rowther,
Sangathu Pallivasal Street,
Uthamapalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDELE

Agricultural lands measuring 1 acre 44 cents in survey Nos. 1439/1A (0.48 acres) and 1439/1B (0.96 acres) with mango, coconut and other trees at Chinnamanur village, Madurai district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 24-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bhagirathy Ammal,
W/o late Sri Naganatha Iyer,
Trichur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

M. G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 24th December 1976

(2) (i) K. G. George,
(ii) K. P. Mohan alias Devassy,
(iii) Mrs. Achamma John.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

Ref. No. I.C.No. 100/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. Nos. as per schedule situated at Round East, Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichur on 17-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/24th right over 54½ cents of land with Rama Varma Theatre in Round East at Trichur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
11—416GI/76

Date : 24-12-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) T. N. Janaky,
D/o Sri Naganatha Jyer,
Trichur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
M. G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016**

S/Shri
(2) (i) K. G. George,
(ii) K. P. Mohan alias Devassy,
(iii) Achamma John.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Cochin-682016, the 24th December 1976

Ref. No. L.C. No. 101/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. Nos. as per schedule situated at Round East, Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichur on 17-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/24th right over 54½ cents of land with Rama Varma Theatre in Round East at Trichur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. CANDRACHOODAN NAIR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 24-12-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) T. N. Parvathy,
Trichur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (i) K. G. George,
(ii) K. P. Mohan alias Devassy,
(iii) Achamma John.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM
COCHIN-6820 16

Cochin-682016, the 24th December 1976

Ref. No. L.C. No. 102/76-77.—Whereas, I,
S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,
being the Competent Authority
under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
hereinafter referred to as the said Act have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Sy. Nos. as per schedule situated at Round East, Trichur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Trichur on 17-5-1976,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefore by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/24th right over 54½ cents of land with Rama Varma
Theatre in Round East, Trichur.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Ernakulam.

Date : 24-12-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- S/Shri
 (1) (i) T. N. Krishnan,
 (ii) T. K. Bhagirathy
 (Through guardian T. N. Krishnan)
 (iii) T. K. Naganathan
 (Through guardian T. N. Krishnan)
 (Transferors)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE,
 MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM,
 COCHIN-682016

Cochin-682016, the 24th December 1976

Ref. No. L.C. No. 103/76-77.—Whereas, I S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. Nos. as per schedule situated at Round East, Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Trichur on 18-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- S/Shri
 (2) (i) K. J. George,
 (ii) K. P. Mohan alias Devassy,
 (iii) Mrs. Achamma John.
 (Transferees)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/24th right over 54½ cents of land with Rama Varma Theatre in Round East at Trichur.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Ernakulam.

Date : 24-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
M. G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-6820 16

Cochin-682016, the 24th December 1976

Ref. No. L.C. No. 104/76-77.—Whereas, I,
S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Round East, Trichur
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
Trichur on 18-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11)
of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of Section 269D of the Said Act to the following persons,
namely :—

S/Shri

- (1) (i) T. N. Ananthanarayanan
(ii) T. A. Bhagirathy
(by guardian T. N. Ananthanarayanan)
- (iii) T. A. Naganathan
(by guardian T. N. Ananthanarayanan)

(Transferors)

S/Shri

- (2) (i) K. J. George,
(ii) K. P. Mohan alias Devassy,
(iii) Mrs. Achamma John.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

7/24th right over 54½ cents of land with Rama Varma
Theatre in Round East at Trichur.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam.

Date : 24-12-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

S/Shri

- (1) (i) T. N. Anantharaman
 (ii) T. A. Naganathan
 (iii) T. A. Bhagirathy
 (iv) T. A. Alamelu. } T. N. Anantharaman

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE,
 M. G. ROAD, ERNAKULAM,
 COCHIN-6820 16

S/Shri

- (2) (i) K. J. George,
 (ii) K. P. Mohan alias Devassy.
 (iii) Mrs. Achamma John.

(Trnsferees)

Cochin-682016, the 24th December 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. I.C. No. 105/76-77.—Whereas, J. S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Round East, Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 18-5-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

7/24th right over 54½ cents of land with Rama Varma Theatre in Round East at Trichur.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Padmima Ammal,
Pankajam House,
Bodinaykannur, Uthamapalayam,
Madurai.

(Transferor)

(2) P. V. Varghese,
Parappally Thazhe House
Kottayam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 27th December 1976

Ref. No. L.C. No. 106/76-77.—Whereas, I,
S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Sy. Nos. as per schedule situated at Santhanpara village in
Iddikki District
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Udumbanchola on 10-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sec-
tion (1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16.84 acres of cardamom estate in Sy. Nos. 13/1, 13/2,
13/3 and 13/4 of Santhanpara village in Iddikki District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam.

Date : 27-12-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri A. S. Natarajan,
Pankajam House, Bodinaykannur,
Uthamapalayam, Madhurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 27th December 1976

Ref. No. L.C. No. 107/76-77.—Whereas, I,
S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Sy. Nos. as per schedule situated at Santhanpara village in
Iddikki District
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Udumbanchola on 10-5-1976
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(2) Dr. (Mrs.) Annamma Varghese,
Parappally Thazhe House,
Kottayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 acres of cardamom estate with buildings in Sy. No.
10/1 of Santhanpara village in Iddikki District.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 27-12-1976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**
**ACQUISITION RANGE,
KAKINADA**

Kakinada, the 24th December 1976

Ref. No. Acq. File No. 372.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 204 situated at Vegayammapeta Ramachandrapuram Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 24-5-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajah Vadrevu Viswasundararao,
S/o Sri Rajah V. Sundara Sridhararao,
24 Benson Cross Road,
Bangalore-46.

(Transferor)

(2) Shri Komarina Sathiraju,
S/o Subbanna,
Vegayammapeta,
Ramachandrapuram Taluk,
E.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as registered document No. 1799/76 registered before the Sub-Registrar, Kakinada, during the fortnight ended on 31-5-1976.

B. V. SUBBARAO
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Kakinada.

Date : 24-12-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajah Vadrevu Viswasundararao,
S/o Sri Rajah V. Sundara Sridhararao
24 Benson Cross Road,
Bengalore-46.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 24th December 1976

Ref No. ACQ. FILE No. 373.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 204 situated at Vegayammapeta Ramachandrapuram Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kakinada on 18-5-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Ramachandrapuram Taluk,
Vegayammapeta,
S/o Subbanna,
(2) Shri Komarina Sathiraju,
E.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule property as registered document No. 1814/76 registered before the Sub-Registrar, Kakinada, during the fortnight ended on 31-5-1976.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-12-1976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Rajah Vadrevu Viswasundarao,
S/o Sri Rajah V. Sundara Sridhararao
24 Benson Cross Road,
Bangalore-46.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,****KAKINADA**

Kakinada, the 24th December 1976

Ref. No. Acq. File No. 374.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 216 situated at Vegayammapeta, Ramachandrapuram Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 24-5-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Biccani Venkataramarao,
S/o Jaggarayudu,
Vegayammapeta,
Ramachandrapuram Taluk,
E.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1800/76 registered before the Sub-Registrar, Kakinada, during the fortnight ended on 31-5-1976.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date : 24-12-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raja Vadrevu Veerabhadra Rao,
S/o Sri Raja Sundarasridhar Rao,
24 Benson Cross Road,
Bangalore-46.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 24th December 1976

Ref. No. Acq. File No. 375.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 226 situated at Vegayammapeta, Ramachandrapuram Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 18-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raja Vadrevu Veerabhadra Rao,
S/o Sri Raja Sundarasridhar Rao,
24 Benson Cross Road,
Bangalore-46.

(2) Smt. Biccani Venkata Ramaiahamma,
W/o B. V. V. Ramarao,
Vegayammapeta,
Ramachandrapuram Taluk,
E.G. Dt.

(Transferee)

(3) Shri B. V. V. Ramarao,
Vegayammapeta,
Ramachandrapuram Taluk,
E.G. Dt.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1813/76 registered before the Sub-Registrar, Kakinada, during the fortnight ended on 31-5-1976.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date : 24-12-1976

Seal :